आर.एन.आई. नंबर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11 । अंक 80 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, सोमवार, 24 मार्च, 2025

प्रदेश भाजपा कार्यालय में बिहार दिवस का आयोजन किया

राजा भोज से भोजपुरी भाषा का संबंध : सीएम

एजेंसी ● भोपाल

आयोजन

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी देश के अलग-अलग राज्यों में रहने वाले बिहार के लोगों को जोड़ने के लिए काम कर रही है। भोपाल में बिहार दिवस का आयोजन प्रदेश भाजपा कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम में सीएम ने ऐलान किया कि बिहार में जन्मे पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय राजेन्द्र प्रसाद के नाम से भोपाल में एक पार्क बनाया जाएगा और उनकी प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

कार्यक्रम में सीएम डॉ मोहन यादव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, बीजेपी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, बिहार सरकार के कैबिनेट मंत्री राजू सिंह, बिहार बीजेपी के पूर्व प्रदेश कार्यालय मंत्री सतपाल नरोत्तम, मंत्री कृष्णा गौर, विधायक भगवानदास सबनानी, रामेश्वर शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति सहित भोपाल में रहने वाले बिहारी नागरिक मौजूद थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा 1912 में बिहार राज्य का नामकरण हुआ। बिहार से मध्य प्रदेश का संबंध कितने प्रकार से जुड़ता है इसकी लंबी श्रृंखला है। हमारे देश के अंदर लगातार लंबे समय से सत्ता को चलाने की व्यवस्था के आधार पर आज के भारत के कुछ और हिस्से जोड़ेंगे तो वृहत्तर भारत दिखेगा। ऐसे में अरब से लगाकर अफगानिस्तान के आगे तक का सांस्कृतिक भारत का वह नक्शा, भारत की सत्ता ताकत के साथ, सब व्यवस्थाओं पर पकड़ बनाकर चले हैं तो इसलिए वर्षों से व्यवस्था बनी हुई थी।

सीएम ने पटना-उज्जैन का संबंध बताया

सीएम ने कहा- वह ऐसी व्यवस्था थी कि हमारे लिए सम्राट पाटलिपुत्र पटना में बैठेंगे और भावी सम्राट उज्जैन में बैठेंगे यह अवंती जनपद का रिकॉर्ड रहा है। ये व्यवस्था हमारे 16 जनपदों में से सर्वाधिक महत्व का जनपद पाटलिपुत्र के बाद वर्तमान के पूरे देश के लिए सत्ता के सारे सूत्र संचालन के लिए मध्य प्रदेश में अवंती जनपद के माध्यम से होता है। इसलिए अशोक भी सम्राट बने। उनके पहले वे 10 साल तक हमारे उज्जैन में गवर्नर थे। जो भावी राजकुमार हुए। विदिशा जहां से उनकी पत्नी से उनका विवाह हुआ। फिर उनके बेटे- बेटी श्रीलंका में बौद्ध धर्म का प्रचार करने गए।

भगवान कृष्ण की शिक्षा उज्जैन में हुई

सम्राट विक्रमादित्य ने जब विजय पताका फहराना चालू की, तो शिक्षा के मामले में हमारा प्रदेश और बिहार में सांदीपनि आश्रम का रिकॉर्ड सबको मालूम है। 5000 साल पहले भगवान कृष्ण की शिक्षा उज्जैन में हुई। शिक्षा के महत्व की बात करें तो बिहार में सांदीपनी गुरु के आश्रम से आगे तक्षशिला नालंदा, विक्रमजीत शिला जिन्हें हम कहते हैं सर्वे भवंतु सुखिन:, सर्वे संतु निरामया ये बोलने के लिए नहीं है यह करके दिखाने के लिए है।

भोजपुरी का संबंध राजा भोज से

हमारे बीच दो हजार साल पहले विक्रमादित्य वाले संबंध हैं। भगवान कृष्ण 5000 साल पहले वाले हैं। 22सौ साल पहले सम्राट अशोक का संबंध मैंने बताया। लेकिन, एक ताजा संबंध भी है। वो संबंध कैसा है ये अपने भोपाल ताल में राजा भोज हैं। और हमें मालूम है विधर्मियों ने जब आक्रमण किया तो यहां के परमार वंश के शासक और यहां के नागरिक, देश के अंदर धर्म बचाने के लिए, अपना सब कुछ छोड़कर बिहार की शरण में गए। यह हमारे अतीत का गौरवशाली पक्ष भी है। इसीलिए कहा जाता है वे गए तो भोजपुरी की भाषा राजा भोज से जुड़ती है यह भी गौरवशाली पक्ष है। भोजपुरी का संबंध राजा भोज के शासनकाल से है।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रपति मुर्मु का आज रायपुर दौरा

रायपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु 24 मार्च को छत्तीसगढ़ के एकदिवसीय दौरे में राजधानी रायपुर पहुंचेंगी और छत्तीसगढ़ विधानसभा के रजत जयंती समारोह में शामिल होंगी। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु 24 मार्च को प्रातः 10.35 बजे स्वामी विवेकानंद विमानतल रायपुर पहुंचेंगी और सीधे छत्तीसगढ़ विधानसभा के लिए रवाना होंगी। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु प्रातः 11.15 बजे से छत्तीसगढ़ विधानसभा के रजत जयंती समारोह में शामिल होंगी। कार्यक्रम में राज्यपाल श्री रमेन डेका, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष श्री चरणदास महंत सहित विधानसभा के सदस्यगण उपस्थित रहेंगे।

कठुआ में सेना-आतंकियों के बीच एनकाउंटर रुका

जम्मू। जम्मू के कठुआ में नियंत्रण रेखा (LoC) के पास हीरानगर सेक्टर में रविवार शाम 6:30 बजे आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई। करीब तीन घंटा चला एनकाउंटर विजिबिलिटी कम होने की वजह से रोक दिया गया। सुबह होते ही ऑपरेशन दोबारा शुरू होगा। इलाके में सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। साथ ही इलाके से सटे पंजाब के जिलों को भी हाई अलर्ट पर रखा गया है। अधिकारियों ने बताया LoC से करीब 5 किमी दूर सान्याल गांव में 4-5 आतंकी छिपे होने की खबर थी। इसके बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया गया था। तभी आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। आतंकियों ने बच्ची और माता-पिता को बंधक बनाया था मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आतंकियों ने बच्ची और उसके माता-पिता को पकड़ लिया था। मौका मिलने पर महिला ने भागना शुरू कर दिया। आतंकियों ने उसे गोली मारने की धमकी दी लेकिन वह भागती रही।इसके बाद महिला का पति भी भाग निकला। इस दौरान बच्ची की मामूली चोटें आई हैं।

संभल हिंसा- जामा मस्जिद के सदर को जेल भेजा: जफर अली को सुबह घर से उठाया, 4 घंटे पूछताछ

मैंने भीड़ को नहीं भड़काया : जफर

एजेंसी ● संभल

गिरफ्तारी

संभल हिंसा के 4 महीने बाद जामा मस्जिद के सदर जफर अली को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उन पर भीड़ को भड़काकर दंगा कराने का आरोप है। हालांकि चंदौसी कोर्ट में पेशी के दौरान जफर अली ने कहा, 'मैंने कोई हिंसा नहीं भड़काई है।'

इससे पहले पुलिस ने जफर अली को रविवार सुबह 11 बजे घर से उठाया। करीब 4 घंटे कोतवाली में पूछताछ की। पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इस पर उनके साथी अधिवक्ता पुलिस की गाड़ी के पीछे भागने लगे। लोगों ने जफर अली जिंदाबाद के नारे लगाए। जफर अली का घर मस्जिद से 100 मीटर दूर है। तनाव को देखते हुए इलाके में 200 से ज्यादा जवान तैनात किए गए हैं। 5 थानों की फोर्स भी जामा मस्जिद इलाके में तैनात है। SP केके बिश्नोई, CO अनुज चौधरी फ्लैग मार्च कर रहे हैं। संभल में 24 नवंबर को जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हिंसा हुई थी। इसके एक दिन बाद (25 नवंबर को) पुलिस ने जफर को उठाया था और कोतवाली में उनसे पूछताछ की थी।

वकील की यूनिफॉर्म में थे जफर अली गिरफ्तारी के बाद जफर अली को करीब रैपिड रिएक्शन फोर्स (RRF) के 50 जवानों और पुलिस वालों की सुरक्षा में पुलिस जीप में बैठाया गया। गिरफ्तारी के समय जफर अली अपनी अधिवक्ता की पोशाक में थे। उन्होंने काले कोट को अपने हाथ में ले रखा था।पुलिस जीप में बैठते हुए जफर अली ने हाथ हिलाकर लोगों से समर्थन मांगा। इसके बाद वह जीप में बैठ गए।

प्रशासन लोगों को भड़का रहा

भाई ने कहा- संभल प्रशासन लोगों को भड़का रहा जफर अली जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष हैं। मुस्लिम समाज में इन्हें सदर कहा जाता है। जफर अली की गिरफ्तारी के बाद उनके बड़े भाई ताहिर अली कोतवाली पहुंचे। उन्होंने बताया- सुबह करीब 11.30 बजे इंस्पेक्टर साहब और जांच अधिकारी घर पहुंचे।

दूसरी बार पूछताछ के बाद जेल भेजा

एसपी संभल एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया, 24 नंवबर 2024 को विवादित स्थल का सर्वे हो रहा था। उस दौरान लोगों के द्वारा पत्थरबाजी और फायरिंग की गई। जिसको लेकर मामला दर्ज किया गया था। उसमें आज जामा मस्जिद के सदर जफर अली को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है। कल, शनिवार देर रात को भी हिरासत में लेकर जफर अली से पूछताछ की गई थी। बाद में छोड़ दिया था। इसके बाद सुबह दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया गया था।

मेहुल चोकसी को भारत लाने की तैयारी

नई दिल्ली। गीतांजलि जेम्स के मालिक और 13,850 करोड़ रुपए के बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी अपनी पत्नी प्रीति चोकसी के साथ बेल्जियम में रह रहा है। ये बेल्जियम के एंटवर्प शहर में 'F रेजीडेंसी कार्ड' पर रह रहें है। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के बाद 2018 में भारत से एंटीगुआ-बारबूडा भाग गया था। चोकसी को भारत लाने के लिए अधिकारियों ने बेल्जियम सरकार से प्रत्यर्पण प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। मेहुल चोकसी और नीरव मोदी पर पंजाब नेशनल बैंक की मुंबई स्थित ब्रेडी हाउस ब्रांच में 13,850 करोड़ रुपए का घोटाला करने का आरोप है। इससे पहले चोकसी ने पासपोर्ट सस्पेंड होने के कारण भारत नहीं लौट पाने का बहाना बनाया था।

नागपुर हिंसा, 6 दिन बाद शहर से कर्फ्यू हटा

नागपुर। नागपुर में हिंसा के छह दिन बाद शहर में पूरी तरह से कर्फ्यू हटा लिया गया है। पुलिस कमिश्नर रविंद्र सिंघल ने रविवार को दोपहर 3 बजे से बाकी बचे कोतवाली, तहसील, गणेशपेठ और यशोधरा नगर पुलिस थाना इलाकों से कर्फ्यू हटाने का आदेश दिया। हालांकि, संवेदनशील इलाकों में पुलिस तैनाती के साथ गश्त जारी रहेगी। इससे पहले 22 मार्च को पचपावली, शांतिनगर, लकड़गंज, सक्करदरा और इमामवाड़ा जबकि 20 मार्च को नंदनवन और कपिल नगर पुलिस थाना क्षेत्रों कर्फ्यू हटा लिया गया था। छत्रपति संभाजीनगर से औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग को लेकर बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने 17 मार्च को पूरे महाराष्ट्र में प्रदर्शन किया था।

जंगल में हथियार-बारूद-वर्दी छिपाई; सुकमा पुलिस ने एक ही दिन में बरामद की 9 गन

एनकाउंटर के डर से गांव की ओर भाग रहे नक्सली

एजेंसी ● जगदलपुर

डर

छत्तीसगढ़ के बस्तर में अब नक्सलियों को एनकाउंटर का डर सता रहा है। इसलिए नक्सली जंगल में हथियार, विस्फोटक समेत वर्दी छिपाकर गांव की तरफ भाग रहे हैं। सुकमा में पुलिस ने एक ही दिन में 2 अलग-अलग जगहों से नक्सलियों के डंप किए 9 हथियार समेत विस्फोटक बरामद किया है। मामला चिंतागुफा थाना क्षेत्र का है।

दुलेड़ कैंप से जवानों को मरकनगुड़ा के जंगल में सर्च ऑपरेशन पर निकाला गया था। सर्चिंग के दौरान जवानों को यहां नक्सलियों का डंप सामान मिला। जिसमें 6 नग भरमार बंदूक, BGL सेल समेत अन्य विस्फोटक सामान थे। बताया जा रहा है कि नक्सलियों ने हाल-फिलहाल में ही अपनी बंदूक छिपाकर रखी थी।

CRPF, जिला बल, कोबरा की टीम को भी मेट्टागुड़ा के जंगल क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन के लिए निकाला गया था। यहां नक्सलियों की मौजूदगी की भी सूचना थी। लेकिन जब जवान पहुंचे तो नक्सली भाग निकले थे। जंगल से नक्सलियों का डंप किया सामान बरामद किया गया। जवानों ने यहां से भी 3 गन, BGL सेल समेत अन्य विस्फोटक सामान बरामद किए हैं।

गांव में छिप रहे नक्सली

बस्तर में लगातार हो रहे एनकाउंटर से नक्सल संगठन में बौखलाहट है। नक्सली जंगलों में अपने हथियार, विस्फोटक सामान को किसी एक सुरक्षित ठिकाने पर डंप कर गांव की तरफ भाग कर छिप रहे हैं। इससे पहले भी नक्सलियों के डंप किए हथियार पुलिस फोर्स ने बरामद किए थे।

दिन पहले 30 को किया था ढेर

बस्तर में 20 मार्च को दो अलग-अलग जगह हुई मुठभेड़ में जवानों ने कुल 30 नक्सलियों को मार गिराया था। इनमें 26 नक्सली बीजापुर और 4 नक्सली कांकेर में मारे गए थे। मौके से भारी संख्या में जवानों ने हथियार समेत विस्फोटक बरामद किया था।

आक्रांता हमारे आइकॉन नहीं हो सकते, धार्मिक आरक्षण नामंजूर : होसबाले

मोहन भागवत से मिले भाजपा अध्यक्ष नड्डा

एजेंसी ● बेंगलुरु

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनावी प्रक्रिया के बीच रविवार को जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक ये बैठक बेंगलुरु में हुई। यहां 21 मार्च से RSS की सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक चल रही थी। बैठक का आज आखिरी दिन था।

सूत्रों के मुताबिक भागवत के साथ हुई मुलाकात में नड्डा ने पार्टी संगठन के चुनाव को लेकर चर्चा की। नड्डा 2020 में पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाए गए थे। उनका कार्यकाल जनवरी 2023 में खत्म हो गया था। इसके बाद लोकसभा, आंध्र, अरुणाचल, सिक्किम, ओडिशा, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली विधानसभा चुनाव की वजह से उन्हें एक्सटेंशन दिया गया।

लोकसभा चुनाव में पार्टी की लगातार तीसरी जीत के बाद नड्डा केंद्र सरकार में मंत्री बनाए गए। एक व्यक्ति एक पद के मुताबिक उनकी जगह अब नया अध्यक्ष चुना जाना है। पार्टी के संविधान के मुताबिक 50 प्रतिशत राज्यों के संगठनात्मक चुनाव पूरा हो जाने के बाद नए अध्यक्ष का चुनाव होता है। अभी 36 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में से 13 में ही प्रदेश अध्यक्ष चुने गए हैं।

RSS ने कहा- भाजपा सरकार पर संघ का दबाव नहीं इधर, RSS की प्रतिनिधि सभा की बैठक की समाप्ति के बाद RSS के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने औरंगजेब की कब्र को लेकर चल रहे विवाद पर अपना पक्ष रखा। होसबाले ने कहा- औरंगजेब जैसे आक्रांता हमारे आइकॉन नहीं हो सकते। हमलावर सोच देश के लिए खतरा है। इस पर चिंतन की जरूरत है।

होसबाले ने कर्नाटक में सरकारी कॉन्ट्रैक्ट में 4% मुस्लिम आरक्षण पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा- डॉ. भीमराव अंबेडकर के लिखित संविधान में धर्म आधारित आरक्षण

स्वीकार नहीं किया गया है। कर्नाटक सरकार ने हाल ही में आरक्षण को लेकर बिल पास किया है।

कर्नाटक में भाजपा शासन के दौरान सरकार पर संघ का दबाव था। क्या मंत्रियों के निजी सहायक के रूप में संघ के पदाधिकारियों की नियुक्ति के लिए दबाव बनाया जाता था। इस पर होसबाले ने कहा- नियुक्ति के लिए कभी दबाव नहीं डाला गया।

शताब्दी समारोह पर देशभर कार्यक्रम करेगा RSS RSS के शताब्दी समारोह को लेकर होसबाले ने कहा- RSS का शताब्दी वर्ष कोई उत्सव नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण, स्वीकृति और समाज को संगठित करने के लिए खुद को फिर से समर्पित करने का अवसर है। उन्होंने 2025-2026 के लिए संघ के कार्यक्रमों की भी घोषणा की।

महाराणा प्रताप स्वतंत्रता सेनानी

महाराणा प्रताप का संघर्ष भी स्वतंत्रता संग्राम था। अगर ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ लड़ाई स्वतंत्रता संग्राम मानी जाती है, तो उससे पहले के आक्रमणकारियों के खिलाफ संघर्ष भी स्वतंत्रता संग्राम था। यह धर्म का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह तय करने की बात है कि भारत की परंपराओं और मूल्यों के अनुरुप कौन है। वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 पर प्रतिक्रिया देते हुए होसबाले ने कहा कि सरकार ने वक्फ मामलों की जांच के लिए एक आयोग बनाया है। उन्होंने कहा- अब तक जो हुआ, वह सही दिशा में हुआ है। आगे जो होगा, उसे देखना होगा।

प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के जन्म कल्याणक पर दिगंबर जैन समवशरण मंदिर से निकली भव्य प्रभात फेरी

प्रभु को रथ में विराजित कर हाथों से खिंचा रथ

संवाददाता ● इंदौर

प्रभात फेरी

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के जन्म कल्याणक पर दिगंबर जैन समवशरण मंदिर से निकली भव्य प्रभात फेरी। आयोजक थे, दिगंबर जैन समाज , सामाजिक संसद, इंदौर एवं सोशल ग्रुप फेडरेशन। समाज के अध्यक्ष श्री राजकुमार पाटोदी एवं प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि भगवान आदिनाथ जी की प्रतिमा को रथ में विराजित कर साउथ तुकोगंज , कंचन बाग , रतलाम कोठी की गलियों में गाजे- बाजे के साथ घुमाया । रथ को श्रद्धालु अपने हाथों से खींच रहे थे। महिलाएं नृत्य करती हुई चल रही थी। इंदौर शहर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष श्री विनय बाकलीवाल परिवार के साथ ही जगह-जगह पर प्रभु जी की आरती उतारी गई। श्रद्धालुओं ने श्रीफल व पानी छानने के गलने बाटे।

फेडरेशन अध्यक्ष श्री राकेश विनायका और समाज के महामंत्री सुशील पांड्या ने बताया कि प्रभात फेरी के पुनः समवशरण मंदिर पहुंचने पर ध्वज वंदन श्री आर के जैन रानेका परिवार के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के पूण्यार्जक थे , श्रीमती पुष्पा कासलीवाल एवं मुकेश पाटोदी। भगवान के अभिषेक करने का सौभाग्य कुमारी श्रेया- रजनीकांत गांधी, शांति धारा करने का सौभाग्य श्री सिंपल - अंकिता जी जैन , आरती करने का सौभाग्य तो तूकोगंज दिगंबर जैन महिला मंडल एवं पालने का सौभाग्य कंचन बाग बहू मंडल को प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर आश्रम की सभी ब्रह्मचारिणी बहनें, श्री एम के जैन,तुकोगंज समाज की अध्यक्ष श्रीमती रानी - अशोक दोशी, महामंत्री, महेश कोटिया, कार्यक्रम के समन्वयक श्री राजेंद्र सोनी, देवेंद्र सोगानी, पवन सिंघई, मुकेश बाकलीवाल, आशीष जैन सूत वाला, संजय अहिंसा,ऋषभ पाटनी, संजय पापडीवाल, ऋषभ जैन, विकास जैन, वितुल अजमेरा, अरुण जैन सहित बहुत अधिक संख्या में समाजजन एवं ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे। यात्रा प्रमुख संयोजक श्री प्रिंस पाल टोंग्या एवं सतीश जैन ने बताया कि सोमवार, 24 मार्च 2025 को प्रभात फेरी प्रातः 6:45 से 7:30 बजे तक जावरा वाला मंदिर से ए बी रोड होते हुए पुनः वहीं पहुंचेगी तत्पश्चात श्री जी के कलश होंगे।

छत्रपति नगर में निकली रजत पालकी यात्रा

इंदौर में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। छत्रपति नगर स्थित दिगंबर जैन आदिनाथ जिनालय में विशेष धार्मिक आयोजन किए गए। जिनालय में विराजित आदिनाथ की प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक किया गया। विश्व शांति की कामना के साथ शांति मंत्रों का उच्चारण किया गया। स्वर्ण एवं रजत कलशों से महामस्तकाभिषेक का सौभाग्य अरविंद अखिलेश सोधिया, सतीश सजल डबडेरा परिवार और नरेंद्र, राकेश, राजेंद्र एवं राजेश नायक परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर आदिनाथ की प्रतिमा को रजत पालकी में विराजमान कर भव्य यात्रा निकाली गई। बैंड-बाजों के साथ निकली यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पालकी यात्रा छत्रपति नगर, गौरव नगर महावीर बाग और अग्रसेन नगर का भ्रमण करते हुए जिनालय वापस पहुंची। कार्यक्रम में जिनालय ट्रस्ट के अध्यक्ष भूपेंद्र जैन, कैलाश जैन, डॉक्टर जैनेंद्र जैन, विपुल बांझल, राजेश जैन दद्दू, डॉ. वीसी जैन, कमल पवन, दिलीप जैन, निलेश जैन, शैलेंद्र सोनी सहित कई समाजजन उपस्थित रहे।

शॉट न्यूज

एपीएल-25 का पहला न्यौता खजराना गणेश जी को

इंदौर। अग्रवाल समाज इंदौर फाउंडेशन द्वारा 1 से 13 अप्रैल तक पीपल्याहाना, पाथ स्क्वेयर ग्राउंड, महाराजा अग्रसेन चौक पर आयोजित अग्रवाल प्रीमियर लीग (एपीएल-25) का पहला न्यौता रविवार को खजराना गणेश एवं कुलदेवी महालक्ष्मी को समर्पित किया गया। फाउंडेशन के प्रमुख किशोर गोयल एवं संजय बांकड़ा ने बताया कि स्पर्धा के लिए भूमि पूजन मंगलवार, 25 मार्च को सुबह 10 बजे होगा। आज खजराना गणेश को निमंत्रण पत्र समर्पित करने के दौरान कीर्ति झांझरिया, नीलेश दूधियावाला, विजय मित्तल, रत्नेश गोयल, प्रीतेश गोयल, आनंद माधवन, विनोद बंसल एवं जगदीश अग्रवाल फायर सहित स्पर्धा से जुड़े विभिन्न समाजबंधु एवं टीमों के खिलाड़ी, कोच एवं प्रबंधक भी उपस्थित थे।

पांच दिनी हनुमत कथा का शुभारंभ होगा भव्य कलश यात्रा के साथ

इंदौर। हवा बंगला कैट रोड स्थित हरिधाम पर 8 से 12 अप्रैल तक पांच दिवसीय श्री हनुमत कथा महोत्सव के दिव्य आयोजन में आसपास के 25 गांवों के श्रद्धालु शामिल होंगे। इस दौरान प्रतिदिन सुबह 8से 12 बजे तक श्री हनुमत महायज्ञ भी होगा। महोत्सव का शुभारंभ सोमवार, 7 अप्रैल को फूटीकोठी से हरिधाम मंदिर तक भव्य कलश यात्रा भी निकाली जाएगी। प्रख्यात मानस मनीषी पं. पुष्पानंदन पवन तिवारी यहां प्रतिदिन दोपहर 2 से 5 बजे तक श्री हनुमत कथामृत की वर्षा करेंगे। हरिधाम आश्रम पर महंत शुकदेवदास महाराज के सानिध्य एवं समाजसेवी गोपाल गोयल के आतिथ्य में आयोजित बैठक में महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया।

इंदौर में साहित्यिक गोष्ठी में कविता पाठ

इंदौर। इंदौर में प्रगतिशील लेखक संघ द्वारा आयोजित एक साहित्यिक गोष्ठी में कवि चंद्रशेखर साकल्ले के कविता संग्रह 'बस इतना बचा देना' पर विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम में कवि ने अपनी नई और पुरानी कविताओं का पाठ किया। साकल्ले की कविताओं में गाजा में बच्चों की पीड़ा, प्राकृतिक संसाधनों का दोहन और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे विषयों को उठाया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर अजीज इरफान ने कहा कि वर्तमान समय में अभिव्यक्ति की आजादी के लिए युवाओं की उपस्थिति प्रेरणादायक है। पुस्तक समीक्षक हरनाम सिंह ने बताया कि संग्रह में बच्चों, महिलाओं, दलितों और आदिवासियों से जुड़े सामाजिक मुद्दों को स्थान दिया गया है। कविताओं में कॉर्पोरेट जगत में श्रमिकों का शोषण, पितृसत्ता, गांवों का शहरीकरण और सांस्कृतिक पतन जैसे विषयों पर चिंता व्यक्त की गई है।

सनाढ्य ब्राह्मण सभा के फाग महोत्सव में समाजबंधुओं ने बिखेरे इंद्रधनुषी रंग

संवाददाता ● इंदौर

महोत्सव

श्री सनाढ्य ब्राह्मण सभा द्वारा युवा मंडल एवं महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में राधा-कृष्ण होली मिलन फाग महोत्सव का दिव्य आयोजन राजीव गांधी चौराहा स्थित शुभकारज गार्डन पर पूरे उमंग एवं उल्लास के साथ भजन गायक पं. हर्ष शर्मा की प्रस्तुतियों के बीच मनाया गया। विधायक गोलू शुक्ला, पूर्व विधायक संजय शुक्ला, महापौर परिषद के सदस्य अभिषेक शर्मा बबलू, कथा वाचक ऋषभदेव महाराज सहित समाजबंधुओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति के बीच महोत्सव में अनेक इंद्रधनुषी प्रसंग देखने को मिले।

राधा और कृष्ण के नृत्य की प्रस्तुतियों के बीच श्री सनाढ्य ब्राह्मण समाज केन्द्रीय कार्य समिति पूर्वी क्षेत्र मंडल, पश्चिम क्षेत्र मंडल, विधि प्रकोष्ठ, पारिवारिक न्याय प्रकोष्ठ एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं की ओर से पं. देवेन्द्र शर्मा, पं. भगवती शर्मा, संजय जारोलिया, अनिल शर्मा, दीपक शर्मा आदि ने सभी मेहमानों की अगवानी की। इस अवसर पर संजय बिरथरे, राधेश्याम शर्मा, देवेन्द्र शर्मा (ग्रेटर वैशाली), गगन दुबोलिया, संतोष राजोरिया, राकेश पाराशर, संजय उपाध्याय, शेखर शुक्ला, राहुल उपाध्याय, नीलेश शर्मा, राहुल तिवारी, नयन जारोलिया, अंकित शर्मा, अविनाश पाराशर आदि ने व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। मातृशक्ति की ओर से श्रीमती नीति दुबेलिया, पूर्णिमा शर्मा, सीमा शर्मा, घनिष्ठा शर्मा एवं अर्पणा बिरथरे ने सभी कलाकारों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। फूलों की होली का यह आयोजन करीब चार घंटे चला।

हिंदी कविता दिवस पर इंदौर लेखिका संघ का विशेष आयोजन

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर लेखिका संघ ने शनिवार को हिंदी कविता दिवस का आयोजन किया। साहित्यकारों ने देवी अहिल्या की नगरी के ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण किया। कार्यक्रम में विनिता तिवारी, संध्या रायचौधरी और मणिमाला शर्मा ने कार्यक्रम का महत्व समझाया। संध्या रायचौधरी ने ऐतिहासिक इमारतों के संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने इंदौर को एक खुशनुमा और स्वच्छ शहर बताया। मणिमाला ने इंदौर को नारी उत्थान का केंद्र बताया। इस अवसर पर साहित्यकार रंजना शर्मा 'सुमन' और कीर्ति मेहता का विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मंजुला भूतड़ा, मुन्नी गर्ग, नीति, निशा, सुनिता, सीता सेन, ज्योति सिंह, आभा, गायत्री, डिंपल, हिमांशु, संध्या राणे, डॉ. स्वाति सिंह, अंजुल कंसल, नीता और प्रेरणा भी मौजूद थीं। मणिमाला ने आभार व्यक्त किया।

अग्रवाल परिचय सम्मेलन में हजारों समाजबंधुओं

ने ली ग्रीष्मकाल में मूक परिंदों की सेवा की शपथ

संवाददाता ● इंदौर

शपथ

श्री अग्रवाल महासभा की मेजबानी में वरिष्ठ समाजसेवी स्व. मिश्रीलाल गोयल की स्मृति में गांधी हाल परिसर में चल रहे अ.भा. निःशुल्क अग्रवाल परिचय सम्मेलन का दूसरा दिन मूक परिंदों की सेवा के संकल्प को समर्पित रहा। रविवार को सम्मेलन स्थल का नजारा कुछ अलग ही था। पांडाल से लेकर मंच तक चारों ओर पैर रखने की जगह भी नहीं मिल पा रही थी। गांधी हाल परिसर देशभर से आए मेहमानों से खचाखच भरा रहा। इसके बावजूद मेहमानों ने खुलकर आयोजकों को बधाई देते हुए यहां की गई बैठक, भोजन, स्वल्पाहार एवं अन्य व्यवस्थाओं की खुले मन से सराहना की। शाम ढलते-ढलते 450 प्रत्याशियों ने मंच पर पहुंचकर बेबाकी से अपने परिचय दिए, वहीं सम्पर्क कक्ष में डेढ़ सौ से अधिक रिश्तों पर चर्चाओं का दौर भी शुरू हो गया।

विनोद अग्रवाल ने इन सभी समाजबंधुओं को मिट्टी के सकोरे भी भेंट किए और शपथ दिलाई कि वे प्रत्येक ग्रीष्मकाल में अपने घर-आंगन की दहलीज पर मूक परिंदों के लिए दाना-पानी रखने हेतु स्वयं भी सकोरे रखेंगे और अपने आस-पड़ोस के लोगों को भी प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के पूर्व अध्यक्ष गोविंद सिंघल, कमलेश अग्रवाल, (पचौर), श्याम अग्रवाल (जावद), मुकेश अग्रवाल (झालोद गुजरात) भी अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जिन्होंने महाराजा अग्रसेन के जयघोष के बीच सम्मेलन के संस्थापक स्व. मिश्रीलाल गोयल के चित्र पर माल्यर्पण भी किया । मेहमानों, पालकों और प्रत्याशियों की आवभगत का जिम्मा संस्था के समन्वयक संतोष गोयल, अध्यक्ष सतीश गोयल, अजय बंसल, मनीष जैन, नवीन गोयल, एल.बी. अग्रवाल, मुकेश बृजवासी, गोपाल अग्रवाल आदि ने संभाले रखा। मातृशक्ति की ओर से उर्मिला गोयल, पुष्पा गुप्ता, पिंकी अग्रवाल, नीना बद्रुका, डॉ. संध्या गुप्ता, सपना अग्रवाल, प्रीति मंगल, राधा अग्रवाल, वर्षा अग्रवाल, मंजुला अग्रवाल आदि ने सभी मेहमानों की अगवानी की। इस तरह 32 वर्षों के इतिहास में पहली बार इस सम्मेलन में 2 हजार से अधिक प्रत्याशी शामिल हुए हैंष रविवार को अहमदाबाद, बड़ौदा, झालोद, दाहोद, औरंगाबाद, जलगांव, सेंधवा, बड़वानी, कुक्षी, रतलाम, धार, राजगढ़ एवं आसपास के जिलों के प्रत्याशियों ने मंच पर आकर अपने परिचय दिए और भावी जीवन साथी को लेकर अपनी प्राथमिकताएं बताईं। मंच का संचालन कर रहे राजेश इंजीनियर एवं इंदु अग्रवाल ने प्रत्याशियों को मंच पर बुलाने और उनका परिचय देने का काम दिलचस्प तरीके से अंजाम दिया।

महिलाओं ने निकाला गणगौर बाना

रणजीत हनुमान मंदिर से महालक्ष्मी मंदिर तक निकली शोभायात्रा

संवाददाता ● इंदौर

शोभायात्रा

इंदौर में विश्व ब्राह्मण समाज संघ की महिला शाखा ने रविवार को परंपरागत गणगौर बाना (शोभायात्रा) निकाला गया। यह बाना रणजीत हनुमान मंदिर परिसर से शुरू हुआ। महिला शाखा की प्रदेश संयोजिका जया तिवारी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सजकर शामिल हुईं। शोभायात्रा में महिलाएं गणगौर लेकर भजनों पर झूमती हुई चलीं। कार्यक्रम में सुंदर वेशभूषा और सोलह श्रृंगार के लिए पुरस्कार भी दिए गए। बैंड-बाजों की धुन पर निकली यह शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए उषा नगर स्थित महालक्ष्मी मंदिर पर समाप्त हुई। समाज संघ के प्रदेश अध्यक्ष योगेंद्र महंत भी इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित रहे। समापन समारोह में गणगौर पर्व पर श्रेष्ठ दोहा, छंद, कविता और स्लोगन प्रस्तुत करने वाली महिलाओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में अर्पणा जोशी, सावित्री महंत, ज्योति शास्त्री, रश्मि शास्त्री, मोनिका दुबे समेत कई गणमान्य महिलाएं मौजूद रहीं। सभी प्रतिभागी महिलाओं का विशेष सम्मान किया गया।

दास बगीची पर सात दिवसीय श्रीराम-हनुमत चरित्र महोत्सव का शुभारंभ राजनेताओं पर किए कटाक्ष

आज के युग में भी समाज की बुराइयों से जूझने के लिए एक हनुमत चरित्र चाहिए : पं. सत्तन

संवाददाता ● इंदौर

कटाक्ष

गुरू हमेशा गुरू ही होता है, लघु कभी नहीं होता। आजकल साधु के वेश में डाकू घूम रहे हैं। अनेक ऐसे लोग तो आश्रम भी चलाते हैं, जो धर्म को लांछित और कलंकित कर रहे हैं। भगवान राम भी गुरू हैं और हनुमान भी गुरू हैं। राम देवताओं के गुरू हैं तो हनुमान भी भक्तों के गुरू हैं। राम के पास जाने के पहले हनुमानजी से मिलना होता है और हनुमान भी सोचते हैं कि भक्तों की समस्याओं के लिए रामजी को क्यों कष्ट दिया जाए, इन्हें तो मैं खुद ही सुलझा दूंगा। आजकल लोग सत्संग नहीं, सिनेमा ज्यादा जाते हैं। मनोमंथन एवं आत्म मंथन की जगह मनोरंजन को प्राथमिकता दी जा रही है। सत्संग हमें नारायण से प्रेम करना सिखाता है। आज के युग में भी हमें समाज की बुराइयों से जूझने के लिए एक हनुमत चरित्र चाहिए। हनुमान और राम चरित्र की कथा भारतीय संस्कृति का अनूठा और स्वर्णिम अध्याय है। प्रख्यात राष्ट्रकवि और सरस्वती पुत्र पं.सत्यनारायण सत्तन ने रविवार को श्री दास हनुमान जय सियाराम बाबा धार्मिक ट्रस्ट, हम्माल कालोनी युवा संगठन एवं नवग्रह शनिधाम के तत्वावधान में पंचकुइया स्थित दास बगीची पर श्रीराम हनुमान चरित्र महोत्सव के शुभारंभ सत्र में उक्त प्रेरक और ओजस्वी विचार व्यक्त किए। कथा शुभारंभ के पूर्व संयोजक धर्मेश यादव, सचिन सांखला, भावेश दवे, निखिल मालू, पिंटू यादव, भरत पुरोहित, अंकित यादव, मोनू पांचाल आदि ने व्यासपीठ का पूजन किया। संगीतमय कथा 29 मार्च तक प्रतिदिन दोपहर 2 से सांय 5 बजे तक होगी। सुसज्जित व्यासपीठ पर भगवान राम और सीता शिवजी का अभिषेक करते हुए नजर आ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हनुमानजी राम और लक्ष्मण को अपनी भुजाओं पर लेकर चलते हुए दिखाई दे रहे हैं। भक्तों की सुविधा के लिए यहां पांडाल, छाया, सफाई, पानी, रोशनी आदि के समुचित प्रबंध किए गए हैं।

पं. सत्तन ने अपने अनूठे अंदाज में राजनेताओं का नाम लिए बिना उन्हें आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आज के नेता वोट लेने के बाद हमको भूल जाते हैं। भीड़ में हमें अपनी पहचान और समस्या बताने के लिए उनके आगे-पीछे घूमना होता है। भगवान राम वनवास काल में वृक्ष के नीचे बैठते थे और उनके सारे चेले पेड़ की शाखाओं पर बैठते थे। आज के दौर में वही नेता सफलता प्राप्त कर सकता है, जो अपने सेवकों को अपने से ऊपर स्थान दिला सके। हनुमानजी के दरबार में आम लोगों का सीधा प्रवेश था। वहां स्वार्थ नहीं, श्रद्धा का पर्यावरण था। किसी भी पार्टी के नेता को केवल अपनी कुसी की चिंता रहती है। हालांकि देवताओं को भी अपने आसन, सिंहासन और दरबार की चिंता रही है। हमारा लोकतंत्र श्रद्धा, विश्वास और सेवा-भावना से परिपूर्ण बनना चाहिए था। सत्तनजी ने अपनी कुछ चुनिंदा कविताएं भी सुनाई और गुरू गोविंद की महिमा का भी बखान किया। आज हनुमत अवतरण प्रसंग की कथा होगी।

शहर में कहीं भी पानी की कमी नहीं होने का दावा

आ गई गर्मी... चालू हो गए टैंकर जल प्रभारी बोले- तैयार हैं हम

संवाददाता ● इंदौर

हर वर्ष गर्मी का मौसम आते ही शहर में पानी कमी होती है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने हर वार्ड में एक हाइड्रेट बनाने की घोषणा की है। नगर निगम के टैंकर शहर की सड़कों पर घूमते नजर आ रहे हैं।

दावा

नगर निगम के महापौर परिषद सदस्य, जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा का दावा है इस बार शहर में कहीं भी पानी की कमी नजर नहीं आएगी। मार्च का महीना आते ही पानी के टैंकर का आवागमन बढ़ जाता है। शहर में पानी की कमी हो रही है, लेकिन नगर निगम के जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा बबलू का कहना है कि शहर के कई इलाकों में पूरे साल भर टैंकर चलते हैं। निगम ने गर्मी के मौसम में पानी की कमी से निपटने के लिए बड़ी तैयारी शुरू कर दी है। इस बार जल संकट वाले इलाकों में नए हाइड्रेंट बनाए जा रहे हैं। शर्मा ने दावा किया कि 15 अप्रैल के पहले सभी हाइड्रेंट तैयार हो जाएंगे। इनमे पानी की शुद्धता के लिए क्लोरिनेटर भी लगाया जा रहा है। इसके अलावा पुराने जल स्त्रोतों की सफाई की जा रही है यहां लगे पंपों की क्षमता भी बढ़ाई जा रही है।

गिर जाता है वाटर लेवल

जलकार्य प्रभारी शर्मा का कहना है कि गर्मियों में अतिरिक्त पानी की व्यवस्था करना जरुरी रहता है। क्योंकि कुछ इलाकों में पानी का लेवल तेजी से नीचे गिर जाता है और बोरिंग बंद हो जाते हैं। इन क्षेत्रों में टैंकरों से पानी आपूर्ति करना पड़ती है। फिलहाल निगम के 86 टैंकर पानी की आपूर्ति कर रहे हैं इसके अलावा लगभग 200 प्राइवेट टैंकर भी हैं। पिछले साल 450 टैंकरों से पानी की आपूर्ति करना पड़ी थी। पिछले 2 साल से इंदौर शहर में 24 घंटे पानी देने का दावा किया जा रहा है। लेकिन सच्चाई यह है कि 2 दिन में एक बार पानी आता है, वह भी 1 घंटे के लिए। 2 दिन में पानी आने की व्यवस्था सुचारु रखने के लिए भी निगम को मशक्कत करनी पड़ती है। प्रभारी शर्मा ने बताया कि पिछले साल जिन कॉलोनी में पानी की कमी या गंदा पानी आ रहा था उसे चिन्हित कर लिया गया है,इन क्षेत्रों में 60 नई लाइनों का निर्माण और पुरानी लाइन हटाई गई है। सप्लाय एरिया बढ़ाया गया है जलूद क्षेत्र में पंप और मशीनों की क्षमता बढ़ाने के लिए 24 घंटे काम किया जा रहा है। इससे 5 से 10 एमएलडी अतिरिक्त पानी मिलेगा इसके अलावा 22 करोड़ की लागत से नई लाइनों का काम भी चल रहा है, जिससे अप्रैल के अंत तक पानी की आपूर्ति और सुधर जाएगी। इसके अलावा नगर निगम समस्या से निपटने के लिए वार्डों में स्थित जल स्रोतों को चिन्हित कर चुका है। इनमें 15 अप्रैल तक हाइड्रेंट लगाकर क्षेत्र में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे।

3 से 4 डिग्री तक बढ़ सकता है तापमान

प्रदेश में ओले-बारिश और आंधी का दौर रविवार से समाप्त हो गया। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों तक तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है और पारा 3 से 4 डिग्री तक बढ़ सकता है। रविवार को इंदौर में दिन का अधिकतम तापमान 34 और शनिवार रात का अधिकतम तापमान 21.6 दर्ज किया गया। शहर में शनिवार को मौसम का मिला-जुला असर देखने को मिला, लेकिन रविवार को तपन महसूस होने लगी। मौसम विभाग के अनुसार, 23 मार्च को प्रदेश में मौसम साफ रहेगा और कहीं भी बारिश होने की संभावना नहीं है। 24 मार्च को भी तीखी धूप रहेगी और मौसम शुष्क रहेगा।

शॉर्ट न्यूज

तीन सिंगरों के शो : निगम ने संचालकों को थमाए नोटिस

इंदौर। मनोरंजन कर को लेकर गरमा रहे विवाद के बीच तीन सिंगरों के शो होने जा रहे हैं। रविवार को लाभगंगा गार्डन में सुनिधि चौहान का शो है। इसके अलावा अल्ताफ राजा और अरिजीत सिंह का शो भी अप्रैल में होना है। पुराने मामलों से सबक लेकर नगर निगम ने अभी से आयोजकों व आयोजन स्थल के संचालकों को पत्र लिखकर मनोरंजन कर जमा करने के लिए कहा है। दो आयोजकों ने कुछ राशि जमा भी की है। नगर निगम तीनों शो के लिए टिकट बिक्री के आधार पर 10 प्रतिशत टैक्स लेगा। राजस्व समिति प्रभारी निरंजन सिंह चौहान ने कहा कि दो आयोजकों की तरफ से अग्रिम राशि मिल चुकी है। निगम इंदौर में होने वाले छोटे आयोजनों से भी मनोरंजन कर की राशि ले रहा है। शहर में पिछले दिनों हनी सिंह का शो आयोजित किया गया था।

प्रेमिका के परिवार से विवाद के बाद युवक ने लगाई फांसी

इंदौर। तुकोगंज इलाके में 25 वर्षीय वीडियोग्राफर पिंटू जिनवाल ने घर में फांसी लगा ली। पुलिस के अनुसार, घटना का कारण पारिवारिक विवाद और मानसिक तनाव बताया जा रहा है। पिंटू चाय की होटल चलाने के साथ वीडियोग्राफी भी करता था। वह अपने कमरे में शनिवार रात मृत पाया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचित किया और पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले को जांच में ले लिया है। पिंटू जिनवाल के मामा सुनील के अनुसार, घटना के बाद जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक, पिंटू का मानसिक तनाव का कारण उसकी प्रेमिका के परिवार से हुआ विवाद था। 20 मार्च को पिंटू का जन्मदिन था और उस दिन वह अपनी प्रेमिका के साथ घूमने गया था। इस दौरान प्रेमिका के परिवार से उसकी बहस हो गई थी।

ठेकेदार से 12.40 लाख की ठगी वॉट्सऐप ग्रुप के जरिए फंसाया

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने एक ठेकेदार से 12 लाख 40 हजार रुपए की ठगी के मामले में 5 से ज्यादा मोबाइल नंबर धारकों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। आरोपियों ने अगस्त 2024 में ठेकेदार को एक वॉट्सऐप ग्रुप में जोड़कर निवेश में बड़ा मुनाफा दिखाया और उसे ठग लिया। ललित ने करीब एक महीने पहले क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई थी। जांच के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई जारी है। क्राइम ब्रांच के मुताबिक, भगत सिंह नगर, बाणगंगा निवासी ललित तिवारी शेयर ट्रेडिंग करता था। उसे 'बी ध्रुव एलीट थिंक टैंक 11' नामक वॉट्सऐप ग्रुप में जोड़ा गया, जिसमें करीब 110 सदस्य थे। ग्रुप में कुछ लोग शेयर बाजार में मुनाफे और नुकसान के स्क्रीनशॉट भेजते थे, जिससे ललित को भरोसा हो गया।

जवाहर मार्ग पर खड़ा कर बजाजखाना में कार्रवाई

रिमूव्हल गैंग को देख भाग जाते हैं ठेले वाले इसलिए.....

संवाददाता ● इंदौर

निगम की रिमूव्हल गैंग को देखकर मध्यक्षेत्र के बाजारों में लगने वाले ठेले गलियों में चले जाते है जिस कारण कई बार वे जब्ती से बच जाते हैं, इसलिए निगमकमी पीले वाहन को जवाहर मार्ग पर खड़ा कर बजाजखाना चौक में पहुंचे और रिमूव्हल की कार्रवाई की। दरअसल निगम की रिमुव्हल गैंग मध्यक्षेत्र में जब कार्रवाई करने पहुंचती है तो हालात यह बन जाते है कि आसपास की गलियों में ठेले वाले घुस जाते है और कार्रवाई से बच जाते है।

कार्रवाई

कुछ ठेले वालों का नेटवर्क तो इतना मजबूत हो गया है कि जब गैंग राजबाड़ा पहुंचती है तो उन्हें शीतलामाता बाजार तक जानकारी मिल जाती है और वे इधर से उधर हो जाते है। इसलिए निगमकर्मियों ने भी अपनी होशियारी का परिचय दिया और अपने रिमूव्हल वाहन को जवाहर मार्ग पर खड़ा किया, जिसके बाद निगमकर्मी बजाज खाना चौक पहुंचे जहां कई गन्ने की चरखी के ठेले खड़े हुए थे जिसे निगमकर्मियों ने जब्त किया। बताया जा रहा है कि क्षेत्रिय जनप्रतिनिधि ने इसकी शिकायत अधिकारियों को की थी। उन्होंने व्यापारियों की सुविधा और ग्राहकों की

सुगमता के लिए लगातार बढ़ रही गन्ने की चरखियों की शिकायत की। निगमकर्मियों ने अपनी होशियारी विखाई और जवाहर मार्ग पर वाहन खड़ा कर बजाज खाना चौक पर कार्रवाई की, लेकिन दूसरी ओर वे जवाहरमार्ग पर कचरा कर गए। दरअसल निगमकर्मियों ने ठेले जब्ती से पहले गन्ना और अन्य सामग्री ठेले संचालकों को दे दी, वहीं ठेले पर पड़ा गन्ने का कचरा उस वक्त सड़क पर गिर गया और जब निगमकर्मियों ने ठेले को रिमूव्हल वाहन में चढ़ाया।

शहीद भगतसिंह और हेमू कालानी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

संवाददाता ● इंदौर

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने रविवार को शहीद भगत सिंह के बलिदान दिवस पर राजमोहल्ला चौराहा स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर पार्षद भरत सिंह रघुवंशी, कंचन गिद्धवानी, पूर्व पार्षद भरत पारीक सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने भी माल्यार्पण किया। इसके बाद महापौर ने शहीद हेमू कालानी की जयंती पर कलेक्टोरेट चौराहे पर स्थापित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान पार्षद कंचन गिदवानी के साथ ही बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने भी माल्यार्पण किया।

विश्व जल दिवस पर परिचर्चा

नहीं संभले तो बाद में एक-एक बूंद के लिए तरसना पड़ेगा

संवाददाता ● इंदौर

सेवा सुरभि ने विश्व जल दिवस पर रविवार को इंदौर प्रेस क्लब सभागृह में "क्या पानीदार रहेगी हमारी दुनिया" विषय पर परिचर्चा आयोजित की। इसमें सभी वक्ताओं व नागरिकों ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि हम पानी का महत्व समझें और उसकी एक-एक बूंद को सहेजें।

चर्चा

हमारे संस्कार में जल संरक्षण और जल संवर्धन दोनों आदतें होना चाहिए। यदि हम अब भी नहीं चेतें तो आने वाली पीढियों को जल की एक-एक बूंद के लिए तरसना होगा।

इस मौके पर मुख्य वक्ता लेखक पंकज चतुर्वेदी (दिल्ली) ने कहा कि मेरा इंदौर पर शब्द ऋण हैं। वो समय भी मैंने देखा हैं, जब सूरज की सुनहरी किरणें कान्ह नदी पर पड़ती थी और नदी का किनारा अवध जैसा चमकता था। हम कहां से कहां आ गए। आज शहर की जीवनरेखा मानी जाने वाली कान्ह और नर्मदा नदी की स्थिति दिनों-दिन खराब होती जा रही हैं। हमने सौन्दर्यीकरण के नाम पर गांवों को शहर बना दिया है और विकास के नाम पर हमारी शहर की बावडियों ,तालाबों कुओं आदि को पाट दिया है। कहीं ऐसा समय न आ जाए कि धरती ही प्यासी रह जाए। चतुर्वेदी ने कहा कि जल की वजह से ही हमारा जीवन हैं। अगर वो ही नहीं रहेगा तो हम जीवित कैसे रहेंगे, हम भी और आने वाली पीढ़ी भी। जल संरक्षण हमारे जीवन की आवश्यकता हैं। हमारे जल स्त्रोत कई जीव - जंतुओं का आवास स्थान हैं। हमें उनकी रक्षा करनी ही होगी। हम पानी की कीमत क्यों नहीं समझ रहें हैं। हम हर दिन 1.5 लाख लीटर शुद्ध पेयजल नाली में बहा रहे हैं। हम कोशिश करें कि बोरवेल की जगह कुएं के जल का उपयोग करें, वेस्ट वाटर को किचन-गार्डनिंग में उपयोग करें तो हम पानी को बचा सकते हैं।

पानी का महत्व समझना होगा : आयुक्त

निगमायुक्त शिवम वर्मा ने कहा कि पता नही क्यों हम पानी का महत्व नहीं समझ रहें हैं। जल हमारे पास सीमित मात्रा में हैं। नर्मदा का चौथा चरण आ चुका हैं। हमें सोर्स आफ वाटर अल्टरनेट पर काम करना होगा और रेन वाटर हार्वेस्टिंग को बढाना होगा. जिससे हम वर्षा जल को एकत्रित कर सकें और इसका उपयोग विभिन्न कार्यों के लिए कर सकें। संस्था की ओर से अतुल शेठ व ओ.पी. जोशी ने निगमायुक्त शिवम वर्मा को शहर के प्राचीन वृक्षों पर आधारित पुस्तक भेंट की, जिसमें नगर निगम से इन पेड़ों को धरोहर घोषित करने की मांग की गई है। निगमायुक्त ने आश्वस्त किया कि वे जरुर इस मामले पर ध्यान देंगे। पर्यावरणविद् डॉ. संदीप नारुलकर ने कहा कि हमारी जनसंख्या हर दिन बढ रही हैं। और हमारा एक बडा भूभाग वर्षा पर निर्भर करता हैं।

रणजीत हनुमान मंदिर में मासिक सफाई अभियान चला

एसडीएम ने भक्तों ने लगाया झाड़ू-पोछा

संवाददाता ● इंदौर

रणजीत हनुमान मंदिर में मासिक सफाई अभियान चला। रविवार को चले इस अभियान में एसडीएम गोपाल सिंह वर्मा भी सपत्नीक पहुंचे। यहां उन्होंने भी हाथों में वाइपर लेकर मंदिर की सफाई में योगदान दिया। इनके साथ ही 250 से ज्यादा भक्तों ने भी हाथों में झाड़ू-पोछा और कपड़ा लेकर मंदिर की साफ-सफाई की और मंदिर में पूजा में इस्तेमाल होने वाले बर्तनों आदि को धोया।

अभियान

इंदौर के प्राचीन रणजीत हनुमान मंदिर में हर महीने सफाई अभियान चलाया जाता है। 2010 से सफाई की यह परंपरा मंदिर में शुरू हुई थी। मंदिर में हर महीने किसी एक रविवार को यहां साफ-सफाई की जवाबदारी दी जाती है। जिसमें पूरे मंदिर परिसर को पानी से धोने से लेकर पूरी साफ-सफाई की जाती है। इस काम में मंदिर प्रबंधन के साथ ही मंदिर के भक्त मंडल के सदस्य पूरे भक्तिभाव के साथ इस काम को करते है। रविवार को मंदिर में हुए सफाई अभियान में एसडीएम व मंदिर प्रशासक गोपाल सिंह वर्मा सपत्नीक पहुंचे। यहां पर दोनों ने मंदिर की साफ-सफाई में अपना हाथ बटाया। हाथों में वाइपर लेकर एसडीए मंदिर की सफाई करते नजर आए। उनके साथ ही मंदिर के मुख्य पुजारी पं.दीपेश व्यास सहित भक्त मंडल के सदस्यों ने मंदिर की सफाई की, और मंदिर की व्यवस्थाओं को भी जाना। मंदिर के मुख्य पुजारी से चर्चा भी की।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने निरीक्षण में पानी को पाया साफ-सुथरा

सरस्वती नदी में फिर चलेगी नाव, घाटों को निगम ने संवारा

लेकिन नदी में फिर गंदा पानी आने के बाद उसे बंद करना पड़ा। अब मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने अमितेश नगर वाले हिस्से में नाव चलाने की घोषणा की है।

संवाददाता ● इंदौर

कान्ह-सरस्वती नदी में वर्षों से नाव चलाने की घोषणा नगर निगम करता आ रहा है, लेकिन नदी में इतनी गंदगी रहती है कि नाव संचालन संभव नहीं हो पाता। 25 साल पहले कृष्णपुरा छत्री पर कुछ महीनों के लिए नाव का संचालन हुआ था, लेकिन नदी में फिर गंदा पानी आने के बाद उसे बंद करना पड़ा। अब मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने अमितेश नगर वाले हिस्से में नाव चलाने की घोषणा की है।

घोषणा

मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने रविवार को शहर की प्रमुख नदियों और घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा बबलू, अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।उन्होंने कहा कि शहर के जल स्त्रोत नदी, तालाब, कुएं, बावड़ी का संरक्षण और सफाई करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। घाटों को सुंदर बनाना, सीवरेज-ड्रेनेज के पानी को नदी में जाने

से रोकना और गाद निकालने का कार्य नगर निगम की प्राथमिकताओं में शामिल है। पुराने घाटों को संवारकर यहां सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव की घोषणा के अनुसार शहर के तीन घाटों को छठ पूजा के हिसाब से तैयार किया जाएगा। इसके अलावा शहर की 100 बावड़ियां की सफाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अमितेश नगर स्थित सरस्वती नदी में नाव चलाने की योजना बनाई गई है। यहां पानी साफ है। गणगौर घाट और कृष्णपुरा घाट का नया स्वरूप तैयार किया जाएगा। गणगौर घाट से 50 से ज्यादा डंपर गाद के निकाले गए हैं। 25 साल पहले कृष्णपुरा छत्री पर कुछ महीनों के लिए नाव का संचालन हुआ था, तत्कालीन महापौर कैलाश विजयवर्गीय ने भागीरथी प्रयास किया था। पूर्व महापौर उमाशशि शर्मा के कार्यकाल में भी 15 साल पहले पिपलियापाला के समीप नहर भंडारा क्षेत्र में नाव चली थी। उस हिस्से को नगर निगम ने साफ किया था, लेकिन कुछ दिनों बाद नाव संचालन बंद करना पड़ा था।

अब तक 3 हजार करोड़ खर्च

नदी को अपने पुराने स्वरुप में लाने के लिए हर जनप्रतिनिधि ने प्रयास किया। केंद्र सरकार, प्रदेश सरकार की कई योजनाओं को लागू किया गया। निगम ने विभिन्न मदों में इस पर काम किया। समाजसेवी किशोर कोडवानी के अनुसार इस नाले को साफ़ करने के नाम पर अभी तक विभिन्न विभागों की योजनाओं में लगभग 3000 करोड़ रुपये खर्च किये गए हैं।

क्या तुलनाएं करने से आपकी खुशी खत्म होती है या गर्व बढ़ता

जब मैं बिजली गुल होने के बाद अंधेरे आसमान को ताक रहा था और तारे गिन रहा था तो पिता ने रूखे स्वर में मुझसे कहा, ₹देखो, वह मोमबत्ती की रोशनी में भी कितनी लगन से पढ़ता है।' उस रात नागपुर के सीताबर्डी के पूरे इलाके में बिजली गुल हो गई थी। मेरे घर से तीन घर दूर एक लड़का मोमबत्ती के उजाले में होमवर्क कर रहा था, जिसे देख पिता ने मुझसे वो शब्द कहे थे। लेकिन उन्हें एहसास नहीं हुआ कि उनके शब्दों ने मुझे 1970 के दशक की शुरूआत की उस कड़ाके की ठंड वाली रात से भी ज्यादा चोट पहुंचाई थी।मैंने बस पलटकर उनसे कहा, ₹मैं तो समझता था हम लोग दूसरों से अपनी तुलना नहीं करते हैं।' मेरे बोलने के बाद घर में अचानक सन्नाटा छा गया। ऐसा इसलिए, क्योंकि पिता ने ही मुझसे कहा था कि हमारे परिवार की स्थिति की तुलना दूसरे परिवारों से न करें। मेरे पिता को मेरी बात का जवाब न देते देख मां- जो यह बातचीत सुन रही थीं- ने मुझे रसोई में बुलाया। नौवीं कक्षा का क्रोधित बालक (यानी मैं) पिता की ओर ऐसी नजर डालते हुए आगे बढ़ गया, जिसका मतलब था- ₹अब आप मुझे जवाब क्यों नहीं दे पा रहे हैं?' और इसके बाद मैं मां की मदद करने रसोई में चला गया। मां ने मुझसे कहा कि ₹तुम्हें अपने पिता से इस तरह से बात नहीं करनी चाहिए। हालांकि मैं तुम्हारी इस बात से सहमत हूं कि इस तरह तुलना करने ने तुमसे आकाश को निहारने की खुशी को छीन लिया होगा। लेकिन इसका एक दूसरा पहलू भी है।' मैं रोने लगा और कहा, ₹उनके शब्द मेरी आकांक्षाओं और रचनात्मकता को सीमित करते हैं।'

उन्होंने मेरे बालों को सहलाया और मुझे गले लगाकर कहा, ₹तुम बड़े हो गए हो और मेरे साथ मनोविज्ञान की बहुत सारी किताबें पढ़ रहे हो। क्या तुम नहीं समझते कि तुलना करना पूरी दुनिया के मनुष्यों की विशेषता है? याद रखो बचपन में हमारा व्यवहार ही हमारे मन में विकसित होता है, तब भी जब तुम ऐसा नहीं चाहते। और यह हमारे परिवार की आमदनी के बावजूद सच है। मैं जानती हूं कि तुम्हारे दिमाग में क्या चल रहा है। तुम अमित के साथ चटर्जी अंकल के व्यवहार की तुलना कर रहे हो (चटर्जी अंकल हमारे पारिवारिक मित्र थे, लेकिन हमसे ज्यादा अमीर थे। उनके पास अपना घर और बजाज स्कूटर था। अमित मुझसे एक साल छोटा था और कॉन्वेंट में पढ़ता था)।

> नौवीं कक्षा का क्रोधित बालक (यानी मैं) पिता की ओर ऐसी नजर डालते हुए आगे बढ़ गया, जिसका मतलब था- "अब आप मुझे जवाब क्यों नहीं दे पा रहे हैं?' और इसके बाद मैं मां की मदद करने रसोई में चला गया। मां ने मुझसे कहा कि "तुम्हें अपने पिता से इस तरह से बात नहीं करनी चाहिए। हालांकि मैं तुम्हारी इस बात से सहमत हूं कि इस तरह तुलना करने ने तुमसे आकाश को निहारने की खुशी को छीन लिया होगा।

याद रखो एक रेलवे कर्मचारी के रूप में तुम्हारे पिता की अपनी सीमाएं हैं। उनकी तुलना उनके दोस्तों से धन के मामले में नहीं की जा सकती। लेकिन एक पिता के रूप में उनकी ख्वाहिश है कि उनका बेटा उनसे आगे निकले और जीवन में बहुत अच्छा करे। यही कारण है कि वे हर पल तुम पर नजर रखते हैं। एक पिता कभी भी अपने बच्चे की तुलना उसे कमतर महसूस कराने के लिए नहीं करेंगे। वे वह तुलना बेटे को यह एहसास दिलाने के लिए करते हैं कि वह अपने पिता के सपनों को जी सकता है। एक दिन जब तुम कुछ बनोगे तो पिता के उन शब्दों को याद करोगे और उन पर गर्व महसूस करोगे। उन्होंने आज के लिए यह बात नहीं कही, उनका मन लगातार तुम्हारे भविष्य के लिए प्रार्थना करता है। 'तब मुझे एहसास हुआ कि आपसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले किसी व्यक्ति से आपकी तुलना करना आपमें तभी ईर्ष्या और निराशा की भावना पैदा कर सकता है, जब आप उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो उनके पास हैं और आपके पास नहीं हैं (जैसे कि अमित के पास लग्जरी थीं और मेरे पास नहीं)। लेकिन अगर आप तुलनाओं को प्रेरणा के स्रोत के रूप में उपयोग करते हैं, तो वे आपके लिए इस तरह से ऊर्जावान और प्रेरणादायक हो सकती हैं कि अगर वे इसे हासिल कर सकते हैं, तो मैं भी कर सकता हूं। फंडा यह है कि हमारे बच्चों को तुलनाओं की बारीकियां सिखाना महत्वपूर्ण है। वे अपने बारे में कैसा महसूस करते हैं, यह न केवल जिससे उनकी तुलना की जा रही है, उस पर निर्भर करता है, बल्कि इस पर भी निर्भर करता है कि वे उस तुलना के बारे में क्या सोचते हैं।

संत वचन

एंटिओक के सेंट इग्नाटियस प्रेरितों के शुरूआती उत्तराधिकारियों में से एक थे और प्रेरितों के महान मिशनरी कार्यों के समय में ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे, जो चर्च की स्थापना कर रहे थे और दुनिया भर में कई लोगों को खुशखबरी फैला रहे थे। चर्च के इतिहास और परंपरा के अनुसार एंटिओक के सेंट इग्नाटियस सेंट जॉन द एपोस्टल के शिष्य थे, और इसलिए प्रेरितों के बारे में सीधे जानते थे और उनसे सच्चाई प्राप्त की, जिसे उन्होंने खुद सबसे अधिक ईमानदारी से कायम रखा और अपने मंत्रालय में प्रचार करना जारी रखा।

फिर आज हमारे सुसमाचार के अंश में, हमने सुसमाचार के संत लूका के सुसमाचार से वर्णन की निरंतरता सुनी, जहाँ प्रभु ने फरीसियों और व्यवस्था के शिक्षकों को उनके कार्यों और ईश्वर और उनके उद्धारकर्ता में उनके विश्वास की कमी के लिए फटकारना और आलोचना करना जारी रखा। इन सभी में संदर्भ को इस तरह से समझा जाना चाहिए

आइए! राजनीतिक नैतिकता की राख बटोरें

राजनीति में नैतिकता की ढलती सांझ की राख बटोरें! नैतिकता की ढलान इसलिए क्योंकि वोट कब्जाने-कबाड़ने के नित-नए तरीके ईजाद किए जा रहे हैं, जो पूरी तरह से ईमानदार तो नहीं ही कहे जा सकते। ज्यादातर राज्य मतदाताओं को तरह-तरह के प्रलोभन दे रहे हैं। यहां तक कि नकद पैसा भी दिया जा रहा है। कोई रोक-टोक नहीं है। रोक-टोक इसलिए नहीं है क्योंकि इस तरह के प्रलोभनों को रोकने के कोई पक्के-लिखित नियम-कायदे ही नहीं हैं। जो थोड़े-बहुत हैं भी तो उन्हें सख्ती से लागू करने के लिए कोई टीएन शेषन नहीं हैं। अब तो चुनाव आयोग खुद राजनीतिक शेरो-शायरी करता घूम रहा है! वोटिंग के एक दिन पहले थोड़ी-बहुत सख्ती दिखाई जाती है लेकिन वह भी केवल देखने की ही होती है। जिसको जो कुछ बांटना-देना होता है, वह सब तो कर ही लेता है।

एडिट.नोट

कहने को महिलाओं को हर महीने दी जाने वाली धनराशि उनके उत्थान में सहायक है, लेकिन यह सब आखिर है तो वोट बटोरने की ही योजनाएं। अगर आप सही में महिला उत्थान के लिए ही समर्पित हैं तो यह सब हमेशा एक जैसा क्यों नहीं होता? मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों के उदाहरण सामने हैं। यहां चुनाव से पहले तो इस योजना में जो भी आवेदन आए, सबको पैसा दिया जाता रहा लेकिन चुनाव जीतने के बाद अब छंटनी की जा रही है। मतलब चुनाव पूर्व तो बड़ी संख्या में अपात्र महिलाओं को भी पैसे दिए जाते रहे। अब जांच हो रही है और अपात्रों को हटाया जा रहा है।

अगर आपके पास पहले जांच का समय नहीं था और सही मायने में गरीब महिलाओं का उत्थान चाहते थे, तो चुनाव बाद ये योजना लाते। चुनाव से पहले तो आपकी मंशा ज्यादा से ज्यादा संख्या में वोट हासिल करने की ही रही होगी उधर कर्नाटक में चलिए तो वहां की सरकार ने सरकारी टेंडरों में अति पिछड़ों के नाम पर मुस्लिमों के लिए कोटा तय कर दिया। सरकार जानती है कोर्ट से यह फैसला रिजेक्ट हो सकता है लेकिन इससे उसे कोई मतलब नहीं है। वह तो इस तरह की घोषणाएं करके उस चिह्नित वर्ग की सहानुभूति हासिल करना चाहती है ताकि चुनाव जब आएं तो यह घोषणा उस वर्ग को याद रहे। चूंकि सालभर बाद राज्य में चुनाव होने वाले हैं इसलिए तमिलनाडु नेच भाषा को लेकर एक तरह का नया मोर्चा खोल दिया है। वहां की सरकार ने रुपए के लोगो को ही बदल दिया। तमिल में कर दिया।

क्यों? क्योंकि अपनी भाषा से तमिलनाडु के लोगों को जितना प्यार है, हिंदी को वो उतना ही नापसंद करते हैं। चुनाव में सरकार इन दोनों बातों को अच्छी तरह भुनाना चाहती है। जे की बात यह है कि बाकी पार्टियों के वहां जो हित जुड़े हुए हैं, उनके कारण वे भी तमिलनाडु सरकार का खुलकर विरोध नहीं कर पा रही है। बाकी पार्टियां मुख्यमंत्री स्टालिन के इस काम को गलत तो बता रही हैं लेकिन किसी में ये कहने की हिम्मत नहीं है कि तमिलनाडु में भी हिंदी का लोगो ही चलने दीजिए। तमिल वाला नहीं चलेगा।

क्योंकि ऐसा कहते ही उनका भी जो थोड़ा बहुत वोट बैंक है, वो खाली हो सकता है। उधर दक्षिणी राज्यों में इस वक्त जनसंख्या को लेकर एक नया बवाल मचा हुआ है। वहां की सरकारें कह रही हैं कि जितने ज्यादा बच्चे पैदा कर सको, करो! हर बार मैटरनिटी/पैटरनिटी लीव मिलेगी। बाकी सहूलियतों में भी कोई कमी नहीं आएगी। दरअसल, 2026 में लोकसभा सीटों का परिसीमन होने वाला है। होगा या नहीं, यह सरकार पर निर्भर है। परिसीमन में जनसंख्या के आधार पर लोकसभा सीटें तय होती हैं। अभी जो 543 लोकसभा सीटें हैं, वे 1971 की जनसंख्या के आधार पर हैं। तब देश की जनसंख्या लगभग 54 करोड़ थी।

मकरंद परांजपे - लेखक

लोकतंत्रों के एक नए समूह की धुरी बन सकता है भारत

शीत युद्ध 2.0 के इस दौर में लोकतंत्रों का नया गठबंधन ही शांति और समृद्धि की गारंटी दे सकता है। मैं इस नए गठबंधन को लोकतंत्रों का परिवृत्त (आर्क ऑफ डेमोक्रेसीज) कहता हूं। ट्रम्प की तमाम धमकियों के बावजूद अमेरिका द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के एकमात्र मध्यस्थ की भूमिका से पीछे हटता दिख रहा है। ऐसे में क्षेत्रीय शक्तियों और गठबंधनों के समूह को उभरना ही होगा। दुनिया के सबसे बड़े, सबसे ज्यादा आबादी वाले और अब आर्थिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण महाद्वीप एशिया में ऐसी नियम-आधारित व्यवस्था कौन बना सकता है? अगर हम हिंद महासागर के एक्यूमनी (बसाहट वाले इलाके) को ट्रांस-एशियाई समुद्री कॉरिडोर मानें, तो लोकतंत्रों का एक परिवृत्त दक्षिण अफ्रीका से जापान तक फैला होगा। इससे भी आगे, एशिया-पैसिफिक में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड भी इसमें शामिल होंगे।

इजराइल इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा क्योंकि अमेरिकी संरक्षण में वह अभी एक नया मध्य-पूर्व बना रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले महीने एक यादगार समीकरण या यूं कहें कि एक नई परिकल्पना दी : मीगा (मेक इंडिया ग्रेट अगेन) + मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) = मेगा। कुछ अनसुलझे सवालों और मुद्दों के बावजूद भारत-अमेरिका साझेदारी का वादा वाकई मेगा है। भारतीय प्रवासियों की बढ़ती संख्या के चलते अमेरिका के लिए भारतीय हितों के विपरीत जाना मुश्किल होगा। वहीं भारत के प्रतिभाशाली युवाओं के अमेरिका में होने की वजह से भारत के लिए शीत युद्ध 2.0 में चीनी ऑर्बिट में प्रवेश करना मुश्किल होगा। अमेरिका अब भी दुनिया का पसंदीदा डेस्टिनेशन है। भारत को भी अमेरिकी तकनीकी व बाजार की जरूरत है।

इन घटनाक्रमों के आलोक में, तेजी से विकसित हो रहे वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए हेनरी किसिंजर की यह बात याद आती है कि हम पहले ही शीत युद्ध 2.0 के कगार पर हैं। यही कारण है कि एशिया में लोकतंत्रों के परिवृत्त का विचार एक जरूरी रणनीतिक ढांचे के रूप में उभर रहा है।

इस अवधारणा के मुताबिक, लोकतांत्रिक देशों का गठबंधन तानाशाही के खिलाफ एक मजबूत दीवार बन सकता है, जो पूरे क्षेत्र में शांति और समृद्धि बढ़ाने के साथ नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था बना सकता है। लेकिन ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि दुनिया में सबसे बड़ा लोकतंत्र और सबसे ज्यादा आबादी वाला देश होने के नाते भारत इसकी धुरी होगा।

ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत इस प्रस्तावित परिवृत्त के केंद्र में अपने भौगोलिक, सामरिक या आर्थिक महत्व के कारण ही नहीं है, बल्कि अपनी विविध, बहुलतावादी और लोकतांत्रिक संस्कृति-सभ्यता के कारण भी है। हम गर्व से दुनिया के सामने कहते हैं कि भारत ने न केवल आध्यात्मिक लोकतंत्र बल्कि नागरिक और राजनीतिक लोकतंत्र को भी जन्म दिया है। अपनी बढ़ती अर्थव्यवस्था, सैन्य क्षमताओं और भू-राजनीतिक ताकत के कारण भारत के पास लोकतांत्रिक गठबंधन का नेतृत्व करने या उस पर असर डालने का अनूठा मौका है। लेकिन भारत को ऐसी भूमिका निभाने के लिए अमेरिका तथा पश्चिम के प्रति गहरे अविश्वास को छोड़ना होगा। हमें क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा संरचनाओं में ज्यादा सक्रियता से भाग लेना होगा। इसमें न केवल हिंद महासागर को सुरक्षित करने के लिए हमारी नौसैनिक क्षमताओं को बढ़ाना शामिल है, बल्कि सांस्कृतिक कूटनीति, आर्थिक साझेदारी और रणनीतिक गठबंधनों के जरिए हमारी सॉफ्ट-पॉवर का लाभ लेना भी जरूरी है। पश्चिमी लोकतंत्रों और एशियाई पड़ोसियों, दोनों के साथ भारत के कूटनीतिक संबंध इस भूमिका का आधार बनेंगे। हालांकि घरेलू राजनीति, आर्थिक असमानताओं और चीन, पाकिस्तान और अब बांग्लादेश जैसे पड़ोसियों के साथ तनाव की चुनौतियां बाधक साबित हो सकती हैं। इस परिवृत्त की सफलता रणनीतिक साझेदारी की मजबूती और अनुकूलता पर बहुत निर्भर करेगी। क्षेत्र में आपसी संबंधों का लाभ उठाने के लिए भारत को रणनीतिक गठबंधनों में बहुत ज्यादा निवेश करना होगा। लेकिन सबसे बड़ी बाधा गुटनिरपेक्षता की हमारी विरासत और उसका बोझ है। हमें इससे हटकर रणनीतिक बहुपक्षवाद और फिर लाभदायक पुनर्संगठन की ओर जाना होगा। इससे हमारी स्वायत्तता खत्म नहीं होगी, बल्कि सुरक्षा बढ़ेगी।

बिजनेस.न्यूज

दूसरी तिमाही में ये 5.4 फीसदी रही थी, 2024-2025 में 6.5फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान

एजेंसी नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2024-2025 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में ग्रोथ 6.2% रही है। एक साल पहले की समान तिमाही (द3 ऋ24) में ये 8.4% रही थी। आज यानी, शुक्रवार 28 फरवरी को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (ठरड) ने ये डेटा जारी किया। वहीं वित्त वर्ष 2024-2025 में इकोनॉमी के 6.5% की दर से बढ़ने का अनुमान है। इससे पहले जनवरी में जारी किए गए अनुमान में 2024-25 के लिए विकास दर 6.4% आंकी गई थी जो 4 साल का निचला स्तर है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में ऋऊढ ग्रोथ रेट 8.2% थी। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में ऋऊढ ग्रोथ रेट 6.7% रही थी। हालांकि, दूसरी तिमाही में यह संख्या गिरकर 5.4% पर आ गई थी।इकोनॉमी की हेल्थ को ट्रैक करने के लिए ऋऊढ का इस्तेमाल होता है। ये देश के भीतर एक तय समय में बनाए गए सभी गुड्स और सर्विस की वैल्यू को दिखाती है। इसमें देश की सीमा के अंदर रहकर जो विदेशी कंपनियां प्रोडक्शन करती हैं उन्हें भी शामिल किया जाता है।

ऋऊढ दो तरह की होती है। रियल और नॉमिनल । रियल ऋऊढ में गुड्स और सर्विस की वैल्यू का कैलकुलेशन बेस ईयर की वैल्यू या स्टेबल प्राइस पर किया जाता है। फिलहाल ऋऊढ को कैलकुलेट करने के लिए बेस ईयर 2011-12 है। वहीं नॉमिनल ऋऊढ का कैलकुलेशन करंट प्राइस पर किया जाता है।

ऋऊढ को कैलकुलेट करने के लिए एक फॉमूर्ले का इस्तेमाल किया जाता है। ऋऊढ=उ+ऋ+क+ठ, यहां उ का मतलब है प्राइवेट कंजम्प्शन, ऋ का मतलब गवर्नमेंट स्पेंडिंग, क का मतलब इन्वेस्टमेंट और ठ का मतलब नेट एक्सपोर्ट है। ऋऊढ को घटाने या बढ़ाने के लिए चार इम्पॉर्टेंट इंजन होते हैं। पहला है, आप और हम। आप जितना खर्च करते हैं, वो हमारी इकोनॉमी में योगदान देता है। दूसरा है, प्राइवेट सेक्टर की बिजनेस ग्रोथ। ये ऋऊढ में 32% योगदान देती है। तीसरा है, सरकारी खर्च।

इसका मतलब है गुड्स और सर्विसेस प्रोड्यूस करने में सरकार कितना खर्च कर रही है। इसका ऋऊढ में 11% योगदान है। और चौथा है, नेट डिमांड। इसके लिए भारत के कुल एक्सपोर्ट को कुल इम्पोर्ट से घटाया जाता है, क्योंकि भारत में एक्सपोर्ट के मुकाबले इम्पोर्ट ज्यादा है, इसलिए इसका इम्पैक्ट ऋऊढ पर निगेटिव ही पड़ता है। आज चांदी के भाव में भी कल के मुकाबले 772 रुपए की गिरावट है, ये 97,620 रुपए प्रति किलो बिक रही है। कल एक किलो चांदी 98,392 रुपए पर थी। मंगलवार, 18 मार्च को चांदी का भाव 1,00,400 प्रति किलो के ऑल टाइम हाई पर था, तब से इसमें 2,780 रुपए कमी हो चुकी है।था। वहीं जनवरी में भी कंपनी ने अपने सभी मॉडल्स पर 4% तक की बढ़ोतरी की थी। तब भी मारुति ने कीमत बढ़ाने की वजह रॉ मटेरियल महंगा होना बताया था।

सेंसेक्स 1414 अंक गिरकर 73,198 पर बंद निफ्टी 420 अंक नीचे 22,124 पर आया

मुंबई । हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी शुक्रवार (28 फरवरी) को सेंसेक्स में 1414 अंकों (1.90%) की गिरावट रही। ये 73,198 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 420 अंक (1.86%) गिरकर 22,124 के स्तर पर बंद हुआ। इरए स्मॉल कैप में 1,028 अंक (2.33%) की गिरावट रही, यह 43,082 के स्तर पर बंद हुआ। मिड कैप में भी 853 अंक (2.16%) की गिरावट रही, ये 38,592 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 29 में गिरावट और केवल एक (ल्रऊऋ बैंक) में तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 45 में गिरावट और केवल 5 में तेजी रही। ठरए के सभी सेक्टोरल इंडेक्स में आज गिरावट रही। सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी कळ में 4.18%, ऑटो में 3.92%, मीडिया में 3.48%, सरकारी बैंकों में 2.83% और मेटल में 1.39% रही। इसके अलावा, फार्मा, बैंकिंग, और फाइनेंशियल सर्विसेज में 2% तक की गिरावट देखने को मिली।शेयर बाजार में बिकवाली से निवेशकों की वेल्थ 8.95 लाख करोड़ रुपए घट गई। शुक्रवार, 28 फरवरी इरए पर लिस्टेड कंपनियों का ओवरऑल मार्केट कैप 384 लाख करोड़ रुपए रहा गया। 27 फरवरी को यह लगभग 393 लाख करोड़ रुपए था।

आज तीसरी तिमाही के ऋऊढ आंकड़े जारी होंगे। इससे पहले निवेशक सतर्क हैं। भारत की अर्थव्यवस्था इस तिमाही में 6.3% की दर से बढ़ने का अनुमान है। सरकारी खर्चों में बढ़ोतरी ने घरेलू मांग की कमजोरी की भरपाई करने में मदद की। हालांकि, आगे की ग्रोथ को लेकर अनुमान थोड़ा संयमित है। गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पुष्टि की कि कनाडा और मेक्सिको पर 25% टैरिफ 4 मार्च से लागू होगा। इसके अलावा, चीन पर पहले से लगे 10% टैरिफ के साथ 4 मार्च से 10% अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। इससे बाजारों में दबाव बढ़ गया है। अमेरिका और एशियाई बाजारों में गिरावट है। 27 फरवरी को विदेशी निवेशकों (ऋकक) ने 556.56 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। 2025 में विदेशी निवेशकों ने 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक वैल्यू के भारतीय शेयरों को बेच दिया है। इस बीच, म्यूचुअल फंड सहित घरेलू संस्थागत निवेशकोंने इस अवधि के दौरान 83,000 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं। इंफोसिस, भारती एयरटेल, कळकक बैंक, ळउर और महिंद्रा बाजार को नीचे लेकर गए। जबकि, ल्रऊऋ बैंक ने बाजार को संभालने की कोशिश की। एशियाई बाजारों में कोरिया का कोस्पी 3.39% गिरकर बंद हुआ। वहीं, हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग में 3.28% और चीन के शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स में 1.98% की गिरावट रही। 27 फरवरी को विदेशी निवेशकों ने 556.56 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

राज-काज

इस हफ्ते सोना महंगा हुआ, चांदी में रही गिरावट

मुंबई। इस हफ्ते सोने के दामों में बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (क्खअ) की वेबसाइट के अनुसार पिछले शनिवार यानी 15 मार्च को सोना 86,843 रुपए पर था, जो अब (22 मार्च) 88,169 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,326 रुपए बढ़ी है। वहीं चांदी की बात करें तो इसकी कीमत में इस हफ्ते गिरावट रही। पिछले शनिवार को चांदी 98,322 रुपए पर थी, जो अब 97,620 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इस तरह इस हफ्ते इसकी कीमत 702 रुपए कम हुई है। वहीं इसी हफ्ते 17 मार्च को चांदी ने 1,00,400 रुपए और 20 मार्च को सोने ने 88,761 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,450 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,980 रुपए है। मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,780 रुपए है।

सोना 1,537 गिरकर 84,056 पर आया चांदी 1,568 गिरकर 93,480 किलो बिक रही

एजेंसी नई दिल्ली

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 28 फरवरी (शुक्रवार) को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (क्खअ) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,537 रुपए गिरकर 84,056 रुपए पर आ गया है। कल सोने का दाम 85,593 रुपए पर था। 19 फरवरी को गोल्ड ने 86,733 रुपए का ऑलटाइम हाई बनाया था। वहीं एक किलो चांदी की कीमत आज 1,568 रुपए गिरकर 93,480 रुपए प्रति किलो पर आ गई। कल चांदी का भाव 95,048 रुपए किलो था। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को अपना ऑल टाइम हाई बनाया था, तब ये 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,990 रुपए है। मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,840 रुपए है। कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 79,600 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 86,840 रुपए है। चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,840 रुपए है। भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,890 रुपए है।इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 7,894 रुपए बढ़कर 84,056 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 7,463 रुपए बढ़कर 93,480 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि एक बड़ी रैली के बाद सोने में गिरावट आनी थी, वह आ चुकी है। अमेरिका के बाद वड ने ब्याज दरों में कटौती और जियो पॉलिटिकल टेंशन बढ़ने से गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। वहीं गोल्ड एळऋमें निवेश भी बढ़ रहा है। इससे भी गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 90 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (इक्र) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी ल्वक्ऊकहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- अे4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, विपक्ष के नेता टीकाराम जूली और पार्टी विधायक जयपुर में अपने विधायकों के विधानसभा से निलंबन और राज्य के एक मंत्री की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ कथित टिप्पणी के खिलाफ राज्य विधानसभा के बाहर धरने पर बैठे।

सभागार में आनंद विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय नेशनल हैप्पीनेस कार्यशाला को संबोधित किया

सभागार में दो दिवसीय नेशनल हैप्पीनेस सेमिनार में शामिल : सीएम

संवाददाता ● उज्जैन/भोपाल

उज्जैन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सुख और दुःख मनुष्य के जीवन से उसी तरह जुड़े हैं, जैसे दिन के बाद रात। सुख-दुख जीवन के अभिन्न अंग हैं। लोक कल्याणकारी राज्य का प्रथम कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों के जीवन में खुशहाली लेकर आये। हमारी सरकार इसी दिशा में कार्य कर रही है। सबका कल्याण ही हमारा मूल लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि त्याग, तप, साधना, बलिदान, असंचय, अपरिग्रह और निस्वार्थ सेवा भाव से मन की शांति ही सुख है। प्रकृति के सानिध्य में जब मन, परमात्मा के भावों में लीन हो जाता है, तब ही तादात्म्य ही सच्चा सुखानंद प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गत दिनों भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आनंद विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय नेशनल हैप्पीनेस कार्यशाला को संबोधित करते हुए ये विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि लाने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि प्रदेश के सभी नागरिकों के जीवन में उल्लास भरने के लिए हमारी सरकार जी-जान से जुटी है।

संबोधित

कार्यक्रम में म.प्र. जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त) डॉ. मोहन नागर, श्री रामकृष्ण मिशन, बेलूर मठ, कोलकाता से आए स्वामी श्री समर्पणानन्द जी, पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रजनीश अरोड़ा, आईआईएम इंदौर के पूर्व निदेशक डॉ. एन. रविचन्द्रन, प्रमुख सचिव, आनंद विभाग श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह, राज्य आनंद संस्थान के सीईओ श्री आशीष कुमार गुप्ता सहित बड़ी संख्या में सुधिजन एवं आनंदक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के हर नागरिक के जीवन में हर्ष, आनंद और खुशहाली लाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जनहितैषी योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के हर वर्ग को लाभान्वित कर रही है। नागरिकों के जीवन में खुशहाली और संतोष ही हमारी सबसे बड़ी सफलता है। उन्होंने कहा कि कष्ट सहकर भी जीवन देने का सुख पाये, वो है माता और साधक बनकर भी जीवन का असीम सुख पाये वो है सन्यासी। कष्ट में भी सुख है, इसलिए जीवन का मर्म समझिए कि परमात्मा ने हम सबको आनंद में जीवन जीने के लिए इस धरा पर भेजा है, इसलिए जीवन को आनंदमय होकर ही जियें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे सकारात्मक दृष्टिकोण से सरकार के साथ मिलकर एक खुशहाल समाज के निर्माण में योगदान दें। आनंद विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस दो दिवसीय नेशनल हैप्पीनेस सेमिनार का उद्देश्य आनंद के नए आयाम और नित नई परिस्थितियों में आनंद की खोज करना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष राज्य आनंद संस्थान भोपाल एवं म.प्र. जन अभियान परिषद के बीच एम.ओ.यू (समझौता ज्ञापन) का आदान-प्रदान हुआ। यह समझौता ज्ञापन मात्र प्रपत्रों का आदान-प्रदान न होकर दो जमीन स्तर से प्रभावी संगठनों के समन्वय की महत्वाकांक्षी पहल है। यह समझौता दोनों विभागों के बीते एक वर्ष में कुल 24 हजार 310 और बीते तीन वर्षों में 72 हजार 390 लोगों के जीवन में स्वैच्छिकता और आनंद का कारक बना। स्वामी समर्पणानन्द जी ने कहा कि हम सभी को प्रकृति के प्रति और परमेश्वर के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। हम अपनी सांस्कृतिक परम्पराओं के संवाहक बनें और मनुष्य में निहित देव गुणों को उभारें। यह मानव जाति की सेवा के लिए हमें प्रेरित करेगा और जब आप सच्चे मन से किसी की सेवा करते हैं तो जो शांति मिलती है, वही आनंद है और वही जीवन का सार है। उन्होंने देश में आनंद विभाग स्थापित करने वाली मध्यप्रदेश सरकार की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को पंच महा-अमृत शीलों का पालन करना चाहिए, इससे जीवन में खुशहाली आएगी।

नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए प्रयासरत रहेंगे

प्रोफेसर रजनीश अरोड़ा ने कहा कि आनंद व्यक्ति के भीतर से आता है, पर इसका प्रभाव व्यक्ति के चरित्र से बाहर दिखाई देना चाहिए। व्यष्टि से समष्टि तक चारों ओर आनंद है, पर उस आनंद को हमें खोजना आना चाहिए। व्यक्ति अपने जीवन के सभी कार्य बखूबी निभाता है, तभी उसे जीवन का असली सुख प्राप्त होता है। डॉ. एन. रविचन्द्रन ने कहा कि समाज में परिवर्तन हो रहा है। सब अपने-अपने तरीकों से आनंद खोज रहे हैं। मन के संतोष से ही व्यक्ति को शांति और आनंद मिलता है। अपने काम, कर्तव्य और रिश्तों को ईमानदारी से निभाएं, यही सच्चा सुख है, यही आनंद है। कार्यक्रम के आरंभ में प्रमुख सचिव श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह ने दो दिवसीय नेशनल हैप्पीनेस सेमिनार के आयोजन की रुपरेखा और इसके उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इसके जरिए समाज के सभी वर्गों को जोड़ा गया है। विभाग विविध गतिविधियों से प्रदेश के नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए प्रयासरत हैं और प्रयास जारी रहेंगे। दो दिवसीय हैप्पीनेस सेमिनार में उपस्थित हुए समाजसेवी और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञ ने नागरिकों के जीवन में सुख और आनंद बढ़ाने के उपायों एवं नवाचारों पर विस्तार से चर्चा की।

शॉट न्यूज

झगड़ा सुलझाने गए युवक की हत्या

ग्वालियर। ग्वालियर के जनकगंज थाना क्षेत्र में होली की रात झगड़ा शांत कराने पहुंचे युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी को पहले ही पुलिस पकड़ चुकी है, जबकि एक अन्य फरार आरोपी की तलाश जारी है। हत्या के बाद फरार आरोपी उदय राठौर, निवासी लक्ष्मीगंज, पुलिस को चकमा देकर छिपा हुआ था। शनिवार को पुलिस को सूचना मिली कि वह लेडीज पार्क में देखा गया है। सूचना के आधार पर एसआई आलोक सिंह तोमर, आरक्षक इंद्रप्रकाश, विद्याचरण शर्मा और सुरेंद्र सिंह की टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वारदात के बाद पुलिस उसके घर और रिश्तेदारों के ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही थी।

पिस्टल के साथ पकड़ाया बदमाश

ग्वालियर। ग्वालियर में पिस्टल लेकर घूम रहे एक बदमाश को हस्तिनापुर थाना पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस पकड़े गए बदमाश से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वह किस वारदात को अंजाम देने आया था। पकड़ा गया बदमाश भिंड का रहने वाला है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि आरोपी किसी न किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। पुलिस को यह भी आशंका है कि पूछताछ के दौरान उससे कुछ अन्य वारदातों का खुलासा हो सकता है। फिलहाल, आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी है। हस्तिनापुर थाना प्रभारी राजकुमार राजावत ने बताया कि थाना पुलिस इलाके में गश्त कर रही थी। इसी दौरान ग्राम तोर की पहाड़िया के पास एक युवक बाइक से आता दिखाई दिया। जब वह पास आया तो पुलिस ने उसे संदेह के आधार पर रोका और पूछताछ की।

बस पलटने से 3 की मौत, 25 घायल

जबलपुर। जबलपुर के बरगी थाना क्षेत्र स्थित रमनपुर घाटी में अयोध्या से नागपुर जा रही यात्री बस सुबह करीब 4-5 बजे बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई, जबकि करीब 25 लोग घायल हुए हैं। जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गई। कुछ घायलों को सिवनी के लखनादौन और कुछ को जबलपुर के अस्पतालों में भी भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, यात्री अयोध्या दर्शन करने के बाद रामरथ बस में सवार होकर नागपुर जा रहे थे। रमनपुर घाटी में पहुंचते ही बस बेकाबू होकर पलट गई, जिससे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। मृतकों की पहचान मलम्मा (45) निवासी हैदराबाद, शुभम मेश्राम (28) नागपुर और अमोल खोड़े (42) नागपुर निवासी के रूप में हुई है। इनमें 2 की मौके पर ही मौत हो गई।

बीजेपी-कांग्रेस MLA ने जताई नाराजगी

जल जीवन मिशन में गड़बड़ी

संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश के 51 हजार से अधिक गांवों में हर घर को नल से जल उपलब्ध कराने वाली जल जीवन मिशन योजना में ठेकेदारों की लापरवाही के कारण ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस गड़बड़ी को लेकर कांग्रेस और बीजेपी दोनों के विधायक आवाज उठा रहे हैं। बीजेपी विधायक उमाकांत शर्मा ने बीते शुक्रवार को विधानसभा के बजट सत्र के आठवें दिन ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जरिए इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने पाइपलाइन की खराब गुणवत्ता और सड़कों की मरम्मत न होने पर सवाल खड़े किए। पीएचई विभाग अब व्यवस्था में बदलाव करने जा रहा है ताकि ठेकेदारों द्वारा की जा रही गड़बडियों पर रोक लगाई जा सके।

नाराजगी

2027 तक हर घर को मिलेगा नल से जलः पीएचई मंत्री – पीएचई मंत्री संपतिया उईके ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत 2027 तक 100% काम पूरा कर लिया जाएगा। वर्तमान में 76% कार्य प्रगति पर है। गिरते जल स्तर को देखते हुए सरकार डैम बनाकर जल संकट का समाधान कर रही है और इन्हें

जल जीवन मिशन से जोड़कर हर घर तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

मंत्री ने ठेकेदारों की लापरवाही और पाइपलाइन में खामियों पर कहा कि स्थिति पहले से बेहतर हुई है। अधिकारी और विधायक मौके पर निरीक्षण कर रहे हैं, और जहां भी गड़बडियां मिल रही हैं, उन्हें तत्काल सुधारने के निर्देश दिए गए हैं।

मध्यप्रदेश के 51,154 गांवों में से 18,000 से अधिक गांवों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति हो चुकी है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस योजना का लाभ हर वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास जारी है और सरकार इसे पूरी तरह सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

महिला डॉक्टर की मौत पर पिता का दावा

सेक्स रैकेट चलाता था दामाद, बेटी खुलासा करती उससे पहले मार डाला

भोपाल। महिला डॉक्टर का शनिवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया। डॉक्टर का शव शुक्रवार को संदिग्ध परिस्थितियों में अपने ही घर पर मिला था। एक तरफ पुलिस मामले को सुसाइड मानकर जांच कर रही है। टीआई लोकेंद्र सिंह ठाकुर का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही आगे की जांच तय करेंगे। शुरुआती जांच में केस सुसाइडल ही नजर आ रहा है। हालांकि, डॉक्टर के पिता विनोद चंद्र पांडे ने दामाद पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बेटी को पति की संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिल गई थी। वह इसका खुलासा करने वाली थी। इससे पहले ही उसे मार दिया गया। बेटी की मौत के बाद हमें दामाद की हकीकत पता चली है। अब लोग उसकी हरकतों की जानकारी दे रहे हैं। वह सरल स्वभाव की थी। पति को कभी रोकती-टोकती नहीं थी

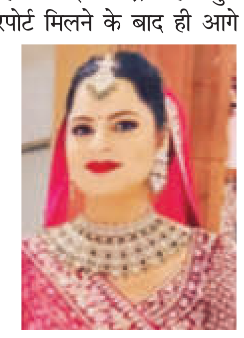

दामाद के क्लीनिक पर आते थे किन्नर : डॉक्टर के पिता विनोद चंद्र पांडे ने कहा - दामाद कब आता, कब जाता, बेटी उससे ज्यादा मतलब नहीं रखती थी। इसके पीछे बेटी का एक ही मकसद था, परिवार में किसी प्रकार का कलेश न हो। लेकिन, दामाद के आचरण को लेकर उसे बड़ी जानकारी मिली थी। उसके क्लीनिक में अधिकांश किन्नर ही आते थे। दामाद अपने क्लीनिक में सेक्स रैकेट चलाता था इसलिए वह दूसरे पेशेंट से ज्यादा मतलब नहीं रखता था।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी की मुलाकात

सीएम यादव ने विक्रमोत्सव के शुभारंभ के लिए राष्ट्रपति को किया आमंत्रित

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को नई दिल्ली प्रवास के दौरान राष्ट्रपति भवन पहुंचकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से सौजन्य भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रपति मुर्मू को विक्रमोत्सव के शुभारंभ के लिए आमंत्रित किया। विक्रमोत्सव आगामी 30 मार्च को गुड़ी पड़वा के दिन से प्रारंभ होगा। यह जानकारी देर शाम जनसम्पर्क अधिकारी संजय सक्सेना ने दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रपति बताया कि गुड़ी पड़वा विक्रम संवत परिवर्तन का दिन है और वर्षों से इसका आयोजन मध्य प्रदेश में किया जाता है। मुख्यमंत्री ने उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य के शासनकाल के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि उन्होंने आदिकाल में ही गणराज्य की स्थापना की और उनका शासनकाल न्याय, पराक्रम और सुशासन के लिए जाना जाता है। उनके मंत्रिमंडल को सिंहासन बत्तीसी के नाम से जाना जाता है। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि आगामी 12, 13 और 14 अप्रैल को नई दिल्ली में विक्रमोत्सव का आयोजन किया जाएगा। राज्य शासन का ध्येय है कि युवा पीढ़ी विक्रमादित्य के सिद्धांतों को पढ़े, समझे और अंगीकार करें। उन्होंने बताया कि इसी दिन से जल गंगा अभियान पूरे प्रदेश में शुरू किया जाएगा जो तीन महीने तक चलाया जाने वाला है। उन्होंने बताया कि इसी समय विक्रम विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह का भी आयोजन किया जाना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने निमंत्रण सहर्ष स्वीकार किया और आश्वासन दिया कि सुविधानुसार कार्यक्रम बनाकर सूचित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की। भेंट के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार ने किसानों के हित के लिए नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ एमओयू के माध्यम से दुग्ध उत्पादन को 9% से बढ़कर 20% तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। सहकारिता के माध्यम से प्रदेश के छोटे और मझोले किसानों तक भी इस योजना की जानकारी पहुंचे, जिससे वे लाभान्वित हो सकें। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने बताया कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए उन्होंने सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह को मध्यप्रदेश आने का निमंत्रण दिया है।

एमपी में थमेगा बारिश-ओले का दौर, पारा बढ़ेगा

संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश में ओले-बारिश और आंधी का दौर रविवार से थम जाएगा। वहीं, अगले 3 दिन तक पारे में बढ़ोतरी होगी। पारा 3 से 4 डिग्री तक बढ़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, 25-26 मार्च से प्रदेश में नए सिस्टम का असर देखने को मिलेगा।

असर

रविवार से एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव हो रहा है, जो पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को प्रभावित करेगा। दो दिन बाद प्रदेश में असर देखने को मिल सकता है। इससे पहले शनिवार को प्रदेश में मौसम का मिला-जुला असर

दिखाई दिया। भोपाल, इंदौर-उज्जैन में तीखी धूप रही तो शहडोल, रीवा, सीधी, मऊगंज, अनूपपुर आदि जिलों में ओले, बारिश और आंधी चली। शहडोल के तितरा गांव में 55 वर्षीय महिला रमसखिया केवट की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। सीधी में तेज बारिश के साथ ओले भी गिरे। जिससे चना, मसूर, अरहर और गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा है।

भोपाल में गर्मी का असर

भोपाल में शनिवार सुबह से ही गर्मी का असर देखा गया। इस वजह से अधिकतम तापमान 34 डिग्री के पार पहुंच गया। इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर में भी ऐसा ही मौसम रहा। इससे पहले शुक्रवार-शनिवार को प्रदेश में बारिश और आंधी की स्थिति बनी रही। कहीं ओले गिरे तो कहीं बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, शहडोल, अनूपपुर, सीधी, सतना, कटनी, सिंगरौली, दमोह, पन्ना, डिंडौरी, उमरिया, सागर, बालाघाट, सिवनी, जबलपुर, रीवा में बारिश और आंधी चली। 55 से अधिक शहर या कस्बों में मौसम का असर देखा गया। सागर, उमरिया समेत कई जिलों में ओले भी गिरे। वहीं, सिंगरौली में 54 किमी, रीवा में 39 किमी, जबलपुर में 34 किमी, मंडला-सागर में 30 किमी और छिंदवाड़ा में 28 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चली।

सीएम ने शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के बलिदान दिवस (23 मार्च) पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि इन वीर सपूतों के बलिदान की स्मृतियाँ देश के कण-कण में विद्यमान है और आने वाली पीढ़ियों को हमेशा राष्ट्रभक्ति और साहस की प्रेरणा देता रहेगा। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि माँ भारती के इन महान सपूतों ने देश की स्वतंत्रता के लिए हंसते-हंसते फांसी का फंदा चूम लिया। उनका त्याग और वीरता हम सभी के लिए आदर्श है। हमें उनके सपनों के अनुरूप भारत को समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य करना होगा।

बोले-यह शहादत पीढ़ियों के लिए प्रेरणा रहेगी

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी युवाओं से अपील की है कि वे भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के महान आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि इन वीर शहीदों की शहादत हमेशा याद की जाएगी और देश उनके सपनों को साकार करने के लिए सतत प्रयास करता रहेगा।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने

बिहार के स्थापना दिवस पर दीं शुभकामनाएं

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को बिहार के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्रगति की सराहना की। ज्ञात हो कि बिहार का स्थापना दिवस हर वर्ष 22 मार्च को मनाया जाता है। यह दिन 1912 में बिहार को बंगाल प्रेसिडेंसी से अलग कर एक स्वतंत्र प्रांत बनने पर मनाया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि बिहार शांति, संघर्ष और संस्कार की पुण्यधरा बिहार के स्थापना दिवस की सभी प्रदेशवासियों एवं

सराहना

बिहार वासियों को आत्मीय बधाई एवं शुभकामनाएं। इस अवसर पर उन्होंने बाबा महाकाल से प्रार्थना की है कि बिहार राज्य निरंतर प्रगति एवं विकास के नए कीर्तिमान रचता रहे, जन-जन के जीवन में खुशहाली आए। बिहार और मध्यप्रदेश का गहरा संबंध मीडिया से संवाद के दौरान उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि बिहार से हमारा विशेष संबंध है और बिहार की भोजपुरी भाषा राजा भोज के काल से भी जुड़ती हुई दिखाई देती है इस बात का हमें गर्व है। उन्होंने कहा कि भोज के शासनकाल में जब आक्रांताओं ने आक्रमण किया तो मध्य प्रदेश के मालवा, इंदौर, उज्जैन के लोग पूर्वांचल क्षेत्र में रहे और बिहार में उन्हें शरण मिली जिन्हें बिहार में आज भी उज्जैनी ठाकुर के नाम से जाना जाता है।

बिहार के विधार्थियों की प्रतिभा क्षमता अन्य के लिए प्रेरणादायी – उन्होंने कहा कि बिहार की पुण्यधरा है और बिहारी नागरिकों में साहस, शोर्य और वीरता के साथ संघर्षों से जूझने की अदम्य शक्ति होती है। वे अपनी कार्यकुशलता और कर्मठता के लिए जाने जाते हैं। बिहार का स्थापना दिवस हम सबके लिए गौरव की बात है बिहार तो वह राज्य है जहां तक्षशिला, नालंदा जैसे बड़े-बड़े गुरुकुल हजारों सालों पहले से चलते आए हैं। आज भी बिहार के विद्यार्थियों की प्रतिभा क्षमता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी रहती है। तमाम कष्टों के बावजूद भी बिहार के सर्वाधिक आईएएस आईपीएस मिलेंगे। बिहार के लोग असंभव को संभव बनाने की क्षमता रखते हैं।

सुशांत सिंह राजपूत केस में CBI को नहीं मिले सबूत

उसमें रिया चक्रवर्ती ने जेल में कितनी रातें काटीं

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले की जांच कर रही सीबीआई ने दो केसों में कोर्ट में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है। सीबीआई ने एक क्लोजर रिपोर्ट पटना की स्पेशल कोर्ट में, जबकि दूसरी क्लोजर रिपोर्ट मुंबई की एक स्पेशल कोर्ट में दायर की है। इनमें से एक मामला सुशांत के पिता केके सिंह ने रिया के खिलाफ दर्ज कराया था, जबकि दूसरा मामला सुशांत की गर्लफ्रेंड रहीं रिया चक्रवर्ती ने एक्टर की बहनों के खिलाफ दर्ज कराया था। अब अदालत फैसला करेगी कि वो इस रिपोर्ट को मंजूर करेगी या फिर एजेंसी को आगे जांच जारी रखने का आदेश देगी। साढ़े चार साल से ज्यादा की जांच के बाद सीबीआई ने ये क्लोजर रिपोर्ट दायर की है। अधिकारियों ने कहा कि एक्सपर्ट के ओपिनियन, क्राइम सीन एनालिसिस, गवाहों के बयान और फोरेसिंक रिपोर्ट के आधार पर सीबीआई ने ये माना कि ऐसा कोई सबूत नहीं है जो इस आरोप का समर्थन करता हो कि किसी ने भी एक्टर को सुसाइड के लिए उकसाया है। सीबीआई ने मामले में आरोपी रहीं रिया चक्रवर्ती को क्लीनचिट दे दी। इस पूरे मामले में सुशांत सिंह राजपूत की तो मौत हो गई, लेकिन कहर उनकी गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती और उनके परिवार पर टूटा। रिया चक्रवर्ती को सुशांत की मौत के बाद से ही 'गोल्ड डिगर' कहा जाने लगा। सुशांत के परिवार के अलावा सोशल मीडिया पर भी लोगों ने रिया पर तरह-तरह के आरोप लगाए। मीडिया में भी रिया को विलन की तरह पेश किया गया। जांच में ड्रग्स ऐंगल आया तो रिया चक्रवर्ती को जेल तक जाना पड़ा। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की भी एंट्री हुई थी। पहले मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच ईडी ने की। ईडी ने 7 अगस्त को एक्ट्रेस से सवाल जवाब भी किए।

शबाना आज़मी ने ऑन और ऑफ स्क्रीन शालिनी पांडे को प्रेरित किया

अभिनेत्री शालिनी पांडे को दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी ने बहुत प्रेरित किया है। 'अर्जुन रेड्डी', 'जयेशभाई जोरदार' और 'महाराज' जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय से पहचान बनाने वाली शालिनी पांडे ने एक बार फिर अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत लिया है। 'डब्बा कार्टेल' में 'राजी' के रूप में उनका किरदार खूब सराहा जा रहा है। इस बहुचर्चित सीरीज़ में शालिनी को पहली बार दिग्गज अदाकारा शबाना आज़मी के साथ काम करने का मौका मिला। हाल ही में एक इंटरव्यू में, शालिनी ने इस अनुभव पर बात करते हुए शबाना आजमी के प्रति अपनी गहरी प्रशंसा व्यक्त की और इसे उनके लिए एक विशेष सौभाग्य बताया। किसी भी युवा अभिनेता के लिए शबाना आज़मी जैसी दिग्गज के साथ स्क्रीन साझा करना किसी सपने से कम नहीं होता। शालिनी पांडे ने भी अपनी इसी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे उन्हें एक इंसान के रूप में जानने का अवसर मिला। अगर मुझे जीवन में आगे बढ़ना है, तो मैं उनके जैसे ही अपने व्यक्तित्व को संवारना चाहूंगी।मेरी फेवरेट को-स्टार शबाना आज़मी हैं। उनके साथ काम करके मुझे बहुत मजा आया, वह बहुत ही प्यारी इंसान हैं। 'डब्बा कार्टेल' के बाद शालिनी पांडे जल्द ही अमेज़न प्राइम वीडियो की वेब सीरीज़ 'बैंडवाले' में नजर आएंगी।

खुद को भाग्यशाली मानती है अदा शर्मा

बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा का कहना है कि वह अपने आप को बहुत भाग्यशाली मानती है कि दर्शक उन्हें हर तरह की भूमिकाओं में स्वीकार करते हैं। अदा शर्मा को एक शानदार कलाकार के रूप में जाना जाता है जो अपने चरित्र में ढ़ल जाती है। अपनी पहली फिल्म 1920 से लेकर द केरल स्टीरी तक उन्होंने दर्शकों का दिल जीता है। फिल्म तुमको मेरी कसम का प्रीमियर उदयपुर में हुआ था। यह फिल्म डॉ. अजय मुर्दिया और इंदिरा मुर्दिया के जीवन पर आधारित है। उन्होने भारत में आईवीएफ क्लीनिकों की एक श्रृंखला खोली। प्रीमियर में मौजूद एक करीबी सूत्र का कहना है, अदा अपने द्वारा निभाए गए हर किरदार में ढ़ल जाती है और यह उसका सबसे अच्छा प्रदर्शन है, विशेष रूप से फिल्म के दूसरे भाग के दृश्य जहां उसका चरित्र एक बीमारी से गुजर रहा है। इश्वाक सिंह के साथ अदा की केमिस्ट्री को भी खूबसूरती से चित्रित किया गया है। हाल ही में अदा और अनुपम खेर ने हवाई अड्डे पर एक रील बनाई।अनुपम खेर अदा के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए दिखाई देते हैं। अदा शर्मा ने कहा,यदि लोगों लगता है कि फिल्म तुमको मेरी कसम में मेरा प्रदर्शन द केरल स्टोरी से भी अधिक भावनात्मक था जो मुझे और भी अधिक खुश करता है। मैं हर प्रदर्शन में अपना सब कुछ देती हूं और मैं 1920 से लेकर कॉमेडी सनफ्लावर सीजन 2 से लेकर कमांडो के लिये बहुत भाग्यशाली हूं कि दर्शक मुझे हर तरह की भूमिकाओं में स्वीकार करते हैं।

फिल्म ठग लाइफ से कमल हासन और सिलंबरासन टीआर का फर्स्ट लुक रिलीज

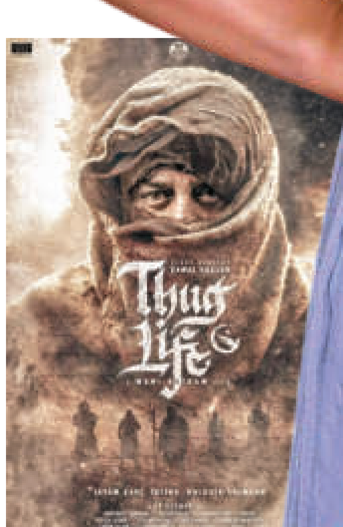

दक्षिण भारतीय फिल्मों के जानेमाने फिल्मकार मणिरत्नम निर्देशित और राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल निर्मित बहुप्रतीक्षित अखिल भारतीय फिल्म ठग लाइफ से कमल हासन और सिलंबरासन टीआर का एक नया आकर्षक पोस्टर जारी किया गया है। नए जारी किए गए पोस्टर में कमल हासन और सिलंबरासन टीआर एक दमदार, इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। इससे पहले, निर्माताओं ने दिग्गज फिल्म निर्माता मणिरत्नम, सुपरस्टार कमल हासन और संगीत उस्ताद ए.आर. रहमान का एक विशेष वीडियो भी जारी किया था। कमल हासन की राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल, मणिरत्नम की मद्रास टॉकीज, आर. महेंद्रन और शिव अनंत निर्मित, फिल्म ठग लाइफ में शानदार कलाकारों की टोली मौजूद है। कमल हासन ने फिल्म में रंगाराया शक्तिवेल नायकर की भूमिका निभाई है, उनके साथ सिलंबरासन टीआर, तृषा कृष्णन, अशोक सेलवन, ऐश्वर्या लक्ष्मी, जोजू जॉर्ज और अभिरामि महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। स्टार पावर को जोड़ते हुए, इस फिल्म में नासर, चेतन, महेश मांजरेकर, तनिकेला भरानी, भगवती पेरुमल, चिन्नी जयंत और वैयापुरी भी हैं। फिल्म ठग लाइफ में अली फज़ल, रोहित सराफ, बाबूराज, पंकज त्रिपाठी, अर्जुन चिदंबरम, राजश्री देशपांडे, सान्या मल्होत्रा, और वदिवुकारसी भी शामिल हैं। यह फिल्म 05 जून को दुनिया भर में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

यश की फिल्म 'टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' 19 मार्च 2026 को होगी रिलीज

रॉकिंग स्टार यश की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स 19 मार्च 2026 को भव्य रूप से रिलीज़ होगी। 19 मार्च को उगादी, गुड़ी पड़वा और चैत्र नवरात्रि के साथ नए साल का स्वागत किया जाएगा, इसके बाद 20/21 मार्च को ईद-अल-फितर मनाई जाएगी। ऐसे में टॉक्सिक एक भव्य चार-दिन के एक्सटेंडेड वीकेंड में रिलीज़ होगी, जो इसे पूरे भारत में जबरदस्त बढ़त दिलाएगी।यह पहली भारतीय फिल्म है, जिसे कन्नड़ और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में लिखा और शूट किया गया है। इस फिल्म को हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम और कई अन्य भाषाओं में डब किया जाएगा। 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' का नया पोस्टर जारी कर दिया गया है, जिसमें यश को आग की लपटों से उभरते हुए दिखाया गया है।इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का निर्देशन गीतू मोहनदास कर रही हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित फिल्म निर्माता हैं। इस फिल्म का निर्माण वेंकट के. नारायण और यश द्वारा केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टरमाइंड क्रिएशंस के बैनर तले किया जा रहा है।

राज कुंद्रा ने राकेश मेहता की फिल्म 'मेहर' की शूटिंग पूरी

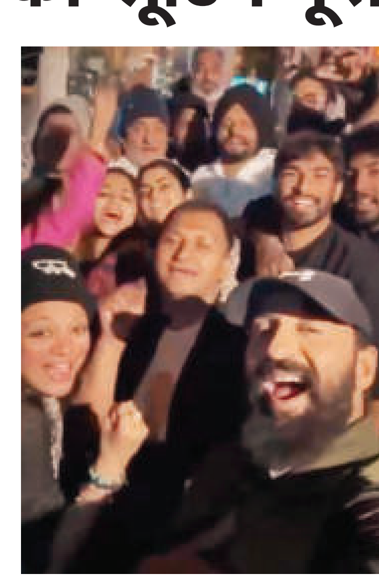

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और उद्योगपति राज कुंद्रा ने राकेश मेहता निर्देशित फिल्म 'मेहर' की शूटिंग पूरी कर ली है। राज कुंद्रा पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में अपने पहले प्रोजेक्ट 'मेहर' के साथ कदम रख रहे हैं। उन्होंने पहले ही मोहाली में इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने की घोषणा की थी, और अब मात्र तीस दिनों में उन्होंने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। शूटिंग खत्म करने के बाद राज कुंद्रा ने पूरी कास्ट के साथ जश्न मनाया और इस खास पल को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किया। राज कुंद्रा ने फिल्म की कास्ट के साथ एक वीडियो साझा किया, जिसमें सभी शूटिंग पूरी होने का जश्न मना रहे हैं। वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह खत्म हुआ! 'मेहर' पर 30 दिनों की कड़ी मेहनत, जुनून और अविस्मरणीय यादें! पूरी टीम को इस शानदार सफर के लिए बधाई। अब इंतजार नहीं हो रहा कि आप सभी पांच सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में इस जादू को देखें। मशहूर पंजाबी फिल्म निर्माता राकेश मेहता निर्देशित फिल्म मेहर में राज कुंद्रा एक अनोखे किरदार में नजर आएंगे। फिल्म मेहर में गीता बसरा, मास्टर अगमवीर सिंह, बनिंदर बन्नी, सविता भट्टी, रुपिंदर रूपी, दीप मंदीप, आशीष दुग्गल, हॉबी धालीवाल, तरसेम पॉल और कुलवीर सोनी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म डीबी डिजिटेनमेंट और रघु खन्ना द्वारा प्रस्तुत की गई है, जबकि दिव्या भटनागर और रघु खन्ना इसके निर्माता हैं। फिल्म के सिनेमैटोग्राफर आशुदीप शर्मा हैं।

न्यूज कॉलम

वाटरफॉल में मिली युवती की सड़ी-गली लाश

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में 1200 फीट ऊंचाई पर स्थित शिशुपाल पर्वत के वाटरफॉल से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. यहां एक अज्ञात युवती की सड़ी-गली लाश मिली है. घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है. मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पहुंची और मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है.यह मामला बलौदा थाना क्षेत्र का है. शव करीब 15 दिन पुराना बताया जा रहा है और शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है. मृतिका की पहचान अब तक नहीं हो पाई है. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आसपास के इलाकों में गुमशुदा लोगों की जानकारी जुटा रही है. फिलहाल, मामले में पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है.

ट्रैक्टर से गिरकर चालक की मौत

रायगढ़। रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है. आए दिन हो रहे हादसों में लोग अपनी जान गंवा रहे हैं. ताजा मामला रायगढ़ जिले के लैलूंगा क्षेत्र के ग्राम पाकरगांव का है, जहां तेज रफ्तार ट्रैक्टर से गिरकर चालक की मौत हो गई. घटना देर रात 11 बजे की बताई जा रही है.जानकारी के अनुसार, चालक शराब के नशे में था और तेज गति से ट्रैक्टर चला रहा था. इसी दौरान वाहन खेत की मेड से टकरा गया, जिससे संतुलन बिगड़ने पर वह चलते ट्रैक्टर से नीचे गिर गया. हादसे में चालक की मौके पर ही मौत हो गई. घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

रेलवे क्षेत्र में चर्च निर्माण रोका तो तोड़फोड़ का आरोप

रायपुर। रेलवे क्षेत्र में चर्च निर्माण को लेकर शिकायतें हुईं और जांच करने पहुंची टीम को पता चला कि वहां तो पूरा भवन बनकर तैयार हो गया है. इससे रेल अमले में ही हड़कंप मच गया. उच्च स्तरीय शिकायतें होने के बाद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की मौजूदगी में अवैध निर्माण रोकते हुए कुछ हिस्से में तोड़फोड़ भी की गई. इससे नाराज लोगों ने तोड़फोड़ का आरोप लगाते हुए आरपीएफ दफ्तर के सामने प्रदर्शन करते हुए पोस्ट को घेर दिया. हालांकि अधिकारियों की समझाइश के बाद लोग लौटे. संरक्षण का आरोप लगा तब अफसर हुए सक्रिय शनिवार को पूरे दिन डब्ल्यूआरएस कॉलोनी में रेल अधिकारियों की सक्रियता चर्चा में रही.दरअसल शनिवार को रेलवे अधिकारियों पर ही अवैध निर्माण को संरक्षण देने का आरोप लगाया जाने लगा. शिकायतकर्ताओं ने सवाल किया कि आखिर रेलवे क्षेत्र में इतना विशाल अवैध निर्माण रेलवे की जानकारी के बगैर कैसे हो गया. आरोप लगने के बाद अधिकारी सक्रिय हुए. आरपीएफ टीम को लेकर पहुंचे अधिकारियों ने निर्माण करने वालों से दस्तावेज दिखाने की मांग की. उन्हें बताया गया कि जिस जमीन पर भवन बनाया जा रहा है वह रेलवे की है, जिस पर किसी भी तरह का निर्माण करना अनाधिकृत है. दूसरी तरफ निर्माण कराने वाले पक्ष के लोगों ने आरोप लगाया कि रेलवे ने भवन में तोड़फोड़ की है. इसके बाद लोगों की भीड़ बढ़ने लगी. आरपीएफ पोस्ट के पास जमा हुए लोगों ने प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की. हालांकि समझाइश के बाद लोग लौट भी गए।

धर्मांतरण का आरोप

दो घरों में प्रार्थना सभा की आड़ में चल रही गतिविधियों को पुलिस ने रोका, 4 लोग हिरासत में

संवाददाता ● बिलासपुर

छत्तीसगढ़ में कथित धर्मांतरण के मामले लगातार सामने आ रहे हैं. अब बिलासपुर जिले के मोपका क्षेत्र में धर्मांतरण की शिकायत पर हिंदू संगठन और पुलिस ने मिलकर कार्रवाई की है. पुलिस ने दो घरों में दबिश देकर वहां चल रही प्रार्थना सभा की आड़ में धर्मांतरण के प्रयास को रोका. आरोप है कि एक विशेष धर्म के प्रचार के जरिए लोगों का ब्रेनवॉश किया जा रहा था।

यह मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है.कार्रवाई के दौरान धर्म विशेष से जुड़ी कई किताबें और साहित्य जब्त किए गए हैं. सरकंडा पुलिस को जानकारी मिली थी कि कुछ लोग गुप्त रूप से धर्मांतरण गतिविधियों में लिप्त हैं और प्रार्थना सभा की आड़ में धर्म बदलने के लिए प्रेरित कर रहे हैं. इस दौरान पुलिस ने मौके से चार लोगों को हिरासत में लिया है और मामले की जांच जारी है।

मस्तूरी से आया था धर्मांतरण का मामला

शनिवार को भी बिलासपुर के मस्तूरी में धर्मांतरण का मामला सामने आया था. यहां के लवार गांव में हिंदू संगठनों ने पुलिस के साथ मिलकर दबिश दी. इस दौरान रवि कैवर्त के घर में बड़ी संख्या में महिलाएं प्रार्थना सभा कर रही थीं. पुलिस ने रवि कैवर्त और उसके साथियों को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है. एडिशनल एसपी उदयन बेहार ने बताया कि मस्तूरी में बीमार और गरीबों को पैसे का प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन का गोरखधंधा चलाया जा रहा था. मस्तूरी पुलिस ने धर्मांतरण निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है और आरोपियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है.

लोककला और परंपराओं का होगा भव्य प्रदर्शन

भोरमदेव महोत्सव की तैयारियां जोरों पर, प्रदेश की समृद्ध संस्कृति

संवाददाता ● कवर्धा

भोरमदेव महोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं. 26 और 27 मार्च को आयोजित महोत्सव में प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, लोककला और परंपराओं का भव्य प्रदर्शन किया जाएगा. कलेक्टर गोपाल वर्मा ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ भोरमदेव महोत्सव की तैयारियों का निरीक्षण किया. इस दौरान पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र छवाई, डीएफओ शशि कुमार, जिला पंचायत सीईओ अजय त्रिपाठी एवं प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे. भोरमदेव महोत्सव में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने बताया कि भोरमदेव महोत्सव के शुभारंभ और समापन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा सहित सांसदों और अन्य जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाना प्रस्तावित है. महोत्सव के दोनों दिनों में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की उपस्थिति भी रहेगी. इस लिहाज से महोत्सव स्थल पर सुरक्षा एवं आवश्यक व्यवस्था की जा रही है।

सड़क हादसे में शिक्षिका की मौत

बालोद। स्कूल में परीक्षा संपन्न कराकर स्कूटी से वापस घर लौट रहीं शिक्षिका की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौके पर मौत हो गई, वहीं साथ जा रही महिला प्यून गंभीर रूप से घायल हो गई. शनिवार को 10वीं का एक्जाम खत्म होने के बाद देर शाम मोहला विकासखण्ड के शेरपार हायर सेकेंडरी स्कूल में पदस्थ लेक्चरर बरखा वासनिक महिला प्यून के साथ स्कूटी से दुर्ग स्थित घर के लिए निकली थी. इस बीच दल्लीराजहरा थाना क्षेत्र के हितेकसा गांव के मंदिर के पास अज्ञात वाहन ने चपेट में ले लिया. शिक्षिका की मौके पर मौत हो गई, वहीं प्यून गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसका इलाज किया जा रहा है.बताया जा रहा है कि शिक्षिका दुर्ग से आना-जाना करती थी, वहीं प्यून देवरी से आना-जाना करती थी. गाड़ी प्यून चला रही थी. पुलिस ने शाम होने के कारण शव को मचुर्री में रखवा दिया था, आज पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौप आगे की कार्रवाई की जाएगी।

समायोजन की मांग कर रहे बीएड सहायक शिक्षक

भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की वेशभूषा में निकाली रैली

संवाददाता ● रायपुर

बीएड सहायक शिक्षकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी है. रविवार को भटगांव बस स्टैंड से भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव की वेशभूषा के साथ रैली निकालकर अभ्यर्थी प्रदर्शन कर रहे हैं.लंबे समय से समायोजन की मांग कर रहे इएं सहायक शिक्षकों ने कुछ ही दिन पहले खून से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखा था. सहायक शिक्षक पुलिस प्रशासन से भगत सिंह चौक तक जाने देने की मांग कर रहे हैं.

बता दें कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने 10 दिसंबर, 2024 को दो सप्ताह के अंदर डीएड डिग्रीधारक को सहायक शिक्षक के पद पर नियुक्ति का आदेश दिया था. जिसमें बीएड डिग्रीधारक सहायक शिक्षकों की नियुक्ति को रद्द करने की बात कही थी। इसके साथ ही शुरू हुई साय सरकार की कार्रवाई के बाद से इएं सहायक शिक्षक सरकार से नौकरी वापस देने की मांग के अलावा सरकार से समायोजन की मांग कर रहे हैं.

आग से 400 पुराने ट्रांसफॉर्मर जले, हटाए गए एक्जीक्यूटिव इंजीनियर

संवाददाता ● रायगढ़

छत्तीसगढ़ राज्य पावर वितरण कंपनी के रायगढ़ स्थित स्टोर में आग लगने से 400 पुराने ट्रांसफॉर्मर आग में भस्म हो गए थे. घटना के बाद स्टोर के कार्यपालन यंत्री को हटाने के साथ घटना की जांच शुरू कर दी गई है. बड़ी बात यह है कि ट्रांसफॉर्मर एवं अन्य विद्युत उपकरणों का बीमा नहीं कराया गया थारायगढ़ के स्टोर में लगी आग से पावर कंपनी को एक बार फिर लाखों रुपए की क्षति हुई है. गुढ़ियारी में आगजनी की वजह से 50 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है. गुढ़ियारी में घटना की जांच तत्कालीन कार्यपालक निदेशक ओएंडएम एवं वर्तमान में वितरण कंपनी के एमडी भीम सिंह की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय कमेटी ने की थी।

कमेटी ने भविष्य में होने वाली घटना को रोकने के लिए सुझाव भी दिए हैं, परंतु सुझाव केवल फाइल तक सीमित रह गए हैं. सूत्रों की मानें तो गुढ़ियारी में घटना के बाद शुरूआत के दो-तीन माह तो स्टोर की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया

परंतु अब फिर पुराने ढर्रे पर स्टोर संचालित हो रहे हैं।

रायगढ़ स्टोर इसका ताजा उदाहरण है. स्टोर के आसपास काफी संख्या में सूखी घास व छोटे-छोटे पेड़ थे. जिसकी सफाई नहीं कराई गई. रायगढ़ स्टोर में आगजनी से 400 पुराने ट्रांसफॉर्मर जल गए. इससे कंपनी को फिर लाखों की चपत लगी है. ज्यादातर ट्रांसफॉर्मर रिपेयर के लिए रखे गए थे. जिसका पुनः उपयोग किया जा सकता था. पुराने ट्रांसफॉर्मर के जलने को लेकर भी पावर कंपनी के गलियारे में कई तरह की चचाएं हो रही हैं. बताते हैं कि स्टोरों में फायर ऑडिट के निदेशों का भी पालन नहीं किया जा रहा है।

आगजनी के बाद कंपनी प्रबंधन ने बिलासपुर के मुख्य अभियंता आलोक अम्बष्ट की जांच का जिम्मा सौंपा है. वहीं स्टोर के कार्यपालन यंत्री गुंजन शर्मा को तत्काल हटा दिया गया है. इधर, सीन ऑफ क्राइम मोबाइल यूनिट के वरिष्ठ वैज्ञानिक पीएस भगत ने भी पुलिस को अपनी रिपोर्ट दे दी है. रिपोर्ट के अनुसार स्टोर के बाहर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा आते-जाते समय बीड़ी अथवा सिगरेट पीकर बचे हुए टुकड़े को बिना बुझाए फेंक दिया गया होगा. जिससे सूखी घास में आग लगी और उसकी चिंगारी स्टोर के भीतर केबल में गिरी. प्लास्टिक एवं ट्रांसफॉर्मर के ऑयल होने की वजह से आग तेजी से फैल गई. वहीं स्टोर से हटाए गए कार्यपालन यंत्री गुंजन शर्मा ने कहा कि आगजनी जहां हुई, वहां रिपेयर के लिए आए ट्रांसफॉर्मर ही रखे हुए थे. नए ट्रांसफॉर्मर सुरक्षित हैं. स्टोर में फायर सिस्टम लगा था, लेकिन तेज हवा की वजह से आग तेजी से फैल गई.

हार्डवेयर दुकान पर जीएसटी का छापा, कार्रवाई की लोगों को देर रात लगी भनक

खैरागढ़। खैरागढ़ के व्यस्त बाजार में शनिवार दोपहर जीएसटी विभाग की 9 सदस्यीय टीम हरिसंस हार्डवेयर पर पहुंची. टैक्स चोरी और अनियमितताओं की आशंका में की गई छापामार कार्रवाई इतनी गुप्त रही कि आस-पास के व्यापारियों को भनक भी नहीं लगी. लेकिन देर रात तक दुकान का शटर खुला देख लोगों को अहसास हुआ. हरिसंस हार्डवेयर में जीएसटी की रेड की खबर जैसे ही फैली, शहर के अन्य व्यापारी सतर्क हो गए. कइयों ने अपनी दुकानों के पुराने रिकॉर्ड देखना शुरू कर दिया, तो कुछ ने अपने संपर्कों से जानकारी जुटाने की कोशिश की. लेकिन जीएसटी अधिकारी पूरी तरह से खामोश रहे. किसी ने भी कार्रवाई की न तो पुष्टि की, और न ही खंडन नहीं किया. हर किसी को एक ही जवाब मिला, ह्लजांच पूरी होने तक कोई बयान नहीं दिया जाएगा।

तेलंगाना, आंध्र और ओडिशा बॉर्डर में सक्रिय 22 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, सरकार की योजनाओं से प्रेरित होकर छोड़ी हिंसा

संवाददाता ● बीजापुर

छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद से मुक्त करने की दिशा में पुलिस को आज एक और बड़ी सफलता मिली है. कोर नक्सल क्षेत्र बीजापुर में 22 नक्सलियों ने आज आत्मसमर्पण कर दिया है. सरेंडर करने वाले नक्सली में तेलंगाना स्टेट कमेटी और आंध्र-ओडिशा बॉर्डर के सदस्य हैं. इनमें से 6 लोगों पर कुल 11 लाख रुपये का ईनाम घोषित था. सभी 22 नक्सली फायरिंग, आईडी ब्लास्ट और आगजनी जैसे अन्य अपराधों में शामिल रहे हैं.बता दें, प्रदेशभर में नक्सलियों के खात्मे के लिए सुरक्षा बलों द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं. बीजापुर जिले में वर्ष 2025 में अब

तक कुल 107 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, जबकि 143 माओवादियों को गिरफ्तार किया गया है. इसके अलावा, 82 माओवादियों को सुरक्षाबलों ने अलग-अलग मुठभेड़ों में मार गिराया है।पुलिस लगातार उनके हथियार, कैश और दैनिक जीवन से संबंधित सामाग्रियों को खोजकर जब्त कर रही है. साथ ही सप्लायरों को भी दबोचा गया है. इससे माओवादी संगठन में काफी दबाव बना है. वहीं सरकार ने नक्सलियों को समाज में वापिस लौटने और एक सामान्य जीवन जीने के लिए भी रास्ता दिया है. सरकार की नियद नेल्लानार और पुनर्वास योजना से प्रभावित होकर कई नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है. इसी प्रकार आज इन 22 नक्सलियों ने भी सरेंडर कर मुख्यधारा से जुड़ने और प्रदेश के विकास में सहियोग देने के लिए सरेंडर कर दिया है. सभी नक्सलियों ने बीजापुर के पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यूलेण्डन यार्क, डीएसपी शरद जायसवाल और उप पुलिस अधीक्षक विनीत साहू सहित अन्य अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया. आत्मसमर्पण करने वाले सभी माओवादियों को 25-25 हजार रुपये की नगद राशि प्रदान की गई है. नक्सलियों के सरेंडर को लेकर पुलिस ने कहा कि ह्लयह आत्मसमर्पण सरकारी पुनर्वास नीति और सुरक्षा बलों के प्रति विश्वास को दशार्ता है. यह सफलता सुरक्षा बलों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

जशपुर के गांजा तस्कर की 15,00,00,000 की संपत्ति फ्रीज

रायपुर। पुलिस ने सफेमा कोर्ट मुंबई के माध्यम से जशपुर के एक चर्चित गांजा तस्कर हीराधर यादव के मकान और पांच वाहन समेत डेढ़ करोड़ की संपत्ति को फ्रीज कराया है. जशपुर पुलिस को मिली इस सफलता की पुलिस महकमे में काफी चर्चा है.इधर रायपुर पुलिस द्वारा गांजा एवं ड्रग्स की तस्करी के पुराने व सक्रिय आरोपियों के खिलाफ पिट एनडीपीएस के तहत जेल भेजने के लिए विधिवत कार्रवाई जारी है. वहीं आधा दर्जन से ज्यादा लोगों की संपत्ति की जांच शुरू कर दी गई है. अधिकारियों ने संपत्ति की जांच की पुष्टि करते हुए कहा कि कई आरोपियों के खिलाफ पिट एनडीपीएस के तहत कार्रवाई हेतु केस तैयार करके सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत किए जा चुके हैं. जबकि आधा दर्जन आरोपी पहले ही जेल भेजे जा चुके हैं. इधर जशपुर के कुख्यात गांजा तस्कर हीराधर यादव की संपत्ति फ्रीज करने की कार्रवाई को इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि यह सीएम विष्णुदेव साय का गृह जिला है.

नामदेव समाज का होली मिलन समारोह, एकता और भाई-चारे के रंग में हुए सराबोर

संवाददाता ● रायपुर

राजधानी रायपुर में नामदेव समाज विकास परिषद जिला शाखा रायपुर द्वारा हर साल की तरह इस बार भी होली मिलन समारोह का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया. यह कार्यक्रम टिकरापारा स्थित सरजू गार्डन के सामुदायिक भवन में 23 मार्च को 3:00 बजे से लेकर शाम 7:00 बजे तक चला.कार्यक्रम की शुरूआत संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज की पूजा अर्चना से हुई. इसके बाद सामाजिक चर्चा और होली मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें समाज के बंधुओं ने एक-दूसरे के साथ रंगों की होली खेली और सामाजिक सौहार्द बढ़ाने का संदेश दिया. कार्यक्रम में स्वल्पाहार की भी व्यवस्था की गई थी.इस आयोजन में रायपुर सहित जिले भर के नामदेव समाज के लोग शामिल हुए. नामदेव समाज विकास परिषद जिला शाखा के अध्यक्ष नारायण प्रसाद नामदेव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि होली का पर्व भाईचारे और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देता है, यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और भारतीय संस्कृति को मजबूत करता है.समारोह में समाज के संस्थापक के एल नामदेव, प्रांतीय महामंत्री धर्मेश नामदेव, जिला शाखा के कोषाध्यक्ष अनिल बरोलिया, सचिव महेंद्र नामदेव, युवा अध्यक्ष अविनाश नामदेव, राजेंद्र नामदेव, संतोष नामदेव सहित अन्य समाजजन ने भाग लिया. इस अवसर पर समाज के कई सम्मानित सदस्य भी उपस्थित थे, जिनमें मनीष नामदेव, निखिल बरोलिया, दीपक अपूर्वा, बृजेंद्र नामदेव, अजय नामदेव, राकेश वर्मा, शरद नामदेव, ज्योति ठाकुर, एवं अन्य समाजजन शामिल थे.

दैनिक अदित्य भारत
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, सोमवार, 24 मार्च, 2025
www.adityabharat.com

तेल अवीव, इज़राइल। हमास द्वारा अपहृत इज़राइली बंधकों के रिश्तेदार और समर्थक उनके चेहरे की तख्तियाँ थामे हुए हैं और इज़राइली सरकार के खिलाफ़ विरोध प्रदर्शन में उनकी रिहाई की मांग कर रहे हैं।

शॉट न्यूज

पोप फ्रांसिस पांच हफ्ते बाद हॉस्पिटल से डिस्चार्ज

वेटिकन। कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस को रविवार को 5 हफ्ते बाद हॉस्पिटल डिस्चार्ज कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने हॉस्पिटल की बालकनी से समर्थकों को धन्यवाद कहा। 88 साल के पोप को फेफड़ों में इन्फेक्शन की वजह से 14 फरवरी को रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका निमोनिया और एनीमिया का इलाज भी चल रहा था। उनकी ब्लड टेस्ट रिपोर्ट में किडनी फेल होने के लक्षण के साथ ही प्लेटलेट्स की कमी का भी पता चला था।

अमेरिका में भारतीय मां ने बेटे का गला रेता

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका में एक भारतीय मूल की महिला ने अपने 11 साल के बेटे की गला रेतकर हत्या कर दी। घटना 19 मार्च की है। महिला का नाम सरिता रामाराजू (48) और बेटे का नाम यतिन रामाराजू है। महिला बेटे के साथ घूमने के लिए कैलिफोर्निया के सेंटा एना में डिज्नीलैंड गई थी। यहां तीन दिन बिताने के बाद महिला ने होटल में बेटे का चाकू से गला रेत दिया।हत्या के बाद महिला ने खुद पुलिस को फोन किया। उसने पुलिस को बेटे की हत्या और खुद के जहर खाकर आत्महत्या करने की जानकारी दी। 19 मार्च की सुबह मां और बेटे को होटल से चेक-आउट करना था। जानकारी मिलने के बाद सेंटा एना पुलिस होटल पहुंची, जहां लड़के की डेड बॉडी बरामद हुई।

फर्जी महिला पुलिसकर्मी 5 किलो हेरोइन सहित धराई

अमृतसर। अमृतसर पुलिस ने एक फर्जी महिला पुलिसकर्मी को पकड़ा है, जो सीमा पार से चल रहे एक बड़े ड्रग रैकेट का हिस्सा थी। पुलिस ने इब्बन कलां गांव की 27 वर्षीय मनदीप कौर समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 5.2 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि मनदीप कौर गिरोह की सरगना है। वह कभी-कभी पुलिस की वर्दी पहनकर नशे की तस्करी करती थी। मनदीप का पैतृक घर भारत-पाक सीमा से महज 2 किलोमीटर दूर तरनतारन के खालरा गांव में है।

गाजा की हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक 24 घंटे में हमले में 41 लोगों के मारे जाने की पुष्टि, 17 महीने में गाजा में 50 हजार मौतें

इजराइली हमले में हमास के पॉलिटिकल लीडर की मौत

एजेंसी ● तेल अवीव

इजराइल के हवाई हमले में हमास के टॉप पॉलिटिकल लीडर सलाह अल-बर्दावील और उसकी पत्नी की मौत हो गई है। हमास ने रविवार सुबह इसकी पुष्टि की है। हमला दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर में हुआ था। गाजा की हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक, बीते 24 घंटे में इजराइली हमले में 41 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है, जबकि 61 घायल हुए हैं। इसके साथ ही 17 महीने से जारी जंग में जान गंवाने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या 50 हजार से ज्यादा हो गई है। वहीं, घायलों का आंकड़ा 1,13,274 पहुंच गया है।

हमला

इजराइल ने शनिवार रात लेबनान में कई जगहों पर हवाई हमले किए। इन हमलों में 7 लोगों की मौत हुई। इजराइल ने ये हमले लेबनान से दागे गए रॉकेट के जवाब में किए। पिछले 4 महीने से हिजबुल्लाह के साथ जारी सीजफायर के बाद इजराइल का यह पहला बड़ा हमला था। हिजबुल्लाह ने बयान जारी कर बताया कि उसने इजराइल पर रॉकेट नहीं दागे हैं और सीजफायर का पालन कर रहा है। इजराइली सेना (IDF) ने बताया कि लेबनान बॉर्डर के पास मेटुला शहर से 6 रॉकेट दागे गए थे। इनमें से 3 इजराइल में दाखिल हुए, जिन्हें हवा में ही नष्ट कर दिया गया। IDF के मुताबिक हमलावरों की पहचान नहीं हो पाई है, लेकिन उसने हिजबुल्लाह के कमांड सेंटर और दर्जनों रॉकेट लॉन्चर्स को निशाना बनाया है।

हमास के साथ इजराइल ने सीजफायर तोड़ा

पिछले हफ्ते मंगलवार को इजराइल ने सीजफायर तोड़ते हुए गाजा में दोबारा हमले शुरू किए थे। इन हमलों में लगभग 600 फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है। इजराइली सेना ने कहा कि वह गाजा सिटी के तीन इलाकों में नए हमले की योजना बना रही है और फिलिस्तीनियों को वहां से निकलने की चेतावनी दी गई है। इजराइल ने हमास की कैद में मौजूद 59 बंधकों की रिहाई तक गाजा में हमले तेज करने का आदेश दिया है। इन बंधकों में से 24 जिंदा है।

नेतन्याहू ने हमले तेज करने के लिए कहा

टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक रॉकेट हमलों के जवाब में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सेना को लेबनान में जवाबी कार्रवाई करने के लिए कहा है। इसके लिए दर्जनों ठिकानों को निशाना बनाने का आदेश दिया गया है। वहीं लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने भी सेना को जरूरी कदम उठाने के लिए कहा है। हालांकि नवाफ ने साफ किया कि देश वापस जंग नहीं चाहता है। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी NNA के मुताबिक, इजराइली हमले में दक्षिणी लेबनान के टूलिन गांव में पांच लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है, जबकि 10 अन्य घायल हुए।

पाकिस्तानी महिला ने इंटरनेट पर सीखे घुसपैठ के तरीके

एजेंसी ● श्रीगंगानगर

श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ में घुसपैठ करते पकड़ी गई पाकिस्तानी महिला हुमारा (32) भारतीय संस्कृति से बहुत प्रभावित है। जॉइंट इंटेरोगेशन सेंटर (JIC) में पूछताछ में उसने बताया- मैंने सोशल मीडिया पर देखा कि भारत में महिलाओं का बहुत मान-सम्मान है।

घुसपैठ

हुमारा ने बताया- मैं पाकिस्तान में लगातार घरेलू हिंसा का शिकार हो रही थी और कोई सुनवाई भी नहीं हो रही थी। परेशान होकर भारत आने का मन बना चुकी थी। इसके लिए इंटरनेट पर बॉर्डर पार कर भारत में घुसने के तरीके सीखे। पाकिस्तानी महिला ने बताया- मैं भारत में अवैध रूप से घुसने को लेकर काफी समय से प्रयास कर रही थी। एक बार कश्मीर की तरफ से भी बॉर्डर पार कर भारत आने की कोशिश की, लेकिन फायरिंग के डर से इरादा बदल दिया था। एसपी गौरव यादव ने बताया- पाकिस्तानी महिला ने पूछताछ में बताया कि घरेलू हिंसा से परेशान होकर उसने भारत आने का मन बना लिया था। उसने इंटरनेट के जरिए भारत में घुसने के तरीके सीखे। इसके बाद वह कराची से बहावलपुर आई। वहां से पैदल चलकर रात को बॉर्डर के पास एक मजार के करीब आकर बैठ गई। इसके बाद सुबह 5 बजे के करीब वह भारतीय सीमा में घुसी, लेकिन बीएसएफ ने उसे पकड़ लिया। एसपी ने बताया- पाकिस्तानी महिला से श्रीगंगानगर स्थित जॉइंट इंटेरोगेशन सेंटर (JIC) में पूछताछ की जा रही थी। अब भारतीय सुरक्षा बलों ने उसे वापस भेजने का फैसला लिया है और जल्द ही उसे पाकिस्तान भेजा जाएगा। दरअसल, पाकिस्तानी महिला हुमारा 17 मार्च को सुबह करीब 6.55 बजे भारत-पाक बॉर्डर की तारबंदी पर कर भारतीय क्षेत्र में घुस गई थी। विजेता पोस्ट पर BSF के जवानों ने उसे हिरासत में ले लिया था। महिला ने पाकिस्तान वापस जाने से साफ इनकार कर दिया और भारत में शरण मांगी। महिला का कहना था कि अगर वह पाकिस्तान लौटेगी है तो उसे मार दिया जाएगा।

घुसपैठ के दौरान BSF ने महिला से एक मोबाइल, सोने की बाली, नथ और हाथ में पहना कड़ा बरामद किया था। महिला ने बताया कि वह बलूचिस्तान के केच जिले के दगरी खान गांव की रहने वाली है। उसके पति का नाम वसीम है। वसीम की बलूचिस्तान में दुकान है। उसके माता-पिता कराची के रहने वाले थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए BSF ने आईबी, सीआईडी और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद से ही एजेंसियां उससे पूछताछ कर रही हैं।

अमेरिका में गुजरात के पिता-पुत्री की हत्या, शराब स्टोर खोलते ही फायरिंग

एजेंसी ● महेसाणा

अमेरिका के वर्जीनिया में एक भारतीय मूल के पिता और बेटी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक प्रदीप पटेल (56) और उनकी बेटी उर्वी (24) एक स्टोर में काम करते थे। गुरुवार सुबह प्रदीप और उर्वी ने स्टोर खोला ही था कि तभी एक अश्वेत शख्स ने दोनों पर गोलीबारी की और फरार हो गया। प्रदीप की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उर्वी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस ने बताया कि वारदात वाले दिन आरोपी पूरी रात स्टोर के बाहर बैठा रहा था। सुबह स्टोर खुलते ही अंदर दाखिल हुआ और दोनों पर फायरिंग कर दी। वारदात के दो घंटे बाद ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, हत्या के आरोपी जॉर्ज फ्रेजियर ने पूछताछ में बताया कि वह रात में शराब लेने आया था, लेकिन स्टोर बंद था। वह इसी बात से गुस्सा था कि स्टोर रात में क्यों नहीं खुला था। इसीलिए वह रात भर स्टोर के बाहर बैठा रहा और सुबह दोनों को गोली मार दी। प्रदीप पटेल मूल रूप से गुजरात में महेसाणा जिले के कनोदा गांव के रहने वाले थे।

यहां वे इलेक्ट्रॉनिक शॉप चलाते थे। 7 साल पहले पत्नी हंसाबेन और बेटी उर्वी के साथ वे अमेरिका में बस गए थे। वे और उनकी बेटी वर्जीनिया में एक स्टोर में काम करते थे। स्टोर मालिक पाटेश पटेल ने बताया कि प्रदीप मेरे चचेरे भाई हैं। मेरा स्टोर प्रदीपभाई और उर्वी ही संभालते थे। गुरुवार सुबह मुझे फोन फोन पर हादसे की जानकारी मिली।

हथियार का जखीरा 30% बढ़ाएगा यूरोप

अमेरिका को नाटो में रिप्लेस करने की तैयारी में है यूरोप

एजेंसी ● वॉशिंगटन डीसी

यूरोप के शक्तिशाली देश महाद्वीप की रक्षा के लिए नाटो में अमेरिका को रिप्लेस करने की प्लानिंग कर रहे हैं। फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और नॉर्डिक देश (डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे) नाटो के मैनेजमेंट ट्रांसफर के लिए ट्रम्प को एक प्रस्ताव भी दे सकते हैं। इस ट्रांसफर में 5 से 10 साल तक का वक्त लग सकता है। यूरोपीय देश जून में होने वाले नाटो के वार्षिक शिखर सम्मेलन से पहले इस योजना को अमेरिका के सामने पेश करना चाहते हैं।

ब्लूमबर्ग के मुताबिक नाटो यूरोप और कनाडा से अपने हथियार भंडार को 30% तक बढ़ाने के लिए कहेगा, ताकि अगर अमेरिका एकतरफा नाटो छोड़ दे तो यूरोप को दिक्कत का सामना न करना पड़े। जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे यूरोपीय देशों ने पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि अपने रक्षा खर्च और मिलिट्री इन्वेस्टमेंट में बढ़ोतरी करेंगे।

ब्लूमबर्ग ने मुताबिक यूरोप जिन पांच मुख्य क्षेत्रों में खुद को मजबूत करना चाहता है उनमें एयर डिफेंस सिस्टम, डीप-फायर कैपेबिलिटी, लॉजिस्टिक्स, कम्युनिकेशन और कम्युनिकेशन सिस्टम और ग्राउंड मिलिट्री एक्सरसाइज शामिल हैं। फिलहाल अमेरिका नाटो के सालाना 3.5 अरब डॉलर के खर्च में 15.8% का हिस्सा देता है। पूरे यूरोप में अमेरिका के 80 हजार से 1 लाख सैनिक तैनात हैं। सरकारी अधिकारियों के मुताबिक यूरोपीय क्षमताओं को अमेरिका के लेबल तक लेकर जाने में लगभग 5 से 10 साल का एक्स्ट्रा खर्च लगेगा। हालांकि कुछ अधिकारी को लगता है कि ट्रम्प सिर्फ बयानबाजी कर रहे हैं और उनका नाटो गठबंधन में बड़ा बदलाव करने का कोई इरादा नहीं है।

अमेरिका और USSR (वर्तमान रूस) के बीच कोल्ड वॉर (1947-91) के बाद से यूरोप अपनी सुरक्षा के लिए बड़े पैमाने पर अमेरिका पर निर्भर रहा है। डिफेंस एक्सपर्ट मनोज जोशी के मुताबिक यूरोप के कई देश अपने डिफेंस पर GDP का 2% से भी कम खर्च कर रहे हैं। उनकी सेनाएं इतनी कमजोर हो गई हैं कि उन्हें उबरने में समय लगेगा। दूसरी तरफ ट्रम्प नाटो गठबंधन को समय और धन की बर्बादी समझते हैं। अगर अमेरिका नाटो छोड़ देता है तो यूरोपीय देशों को अपनी योजनाओं को पूरा करने के लिए डिफेंस पर कम से कम 3% खर्च करना होगा। उन्हें गोला-बारूद, ट्रांसपोर्ट, ईंधन भरने वाले विमान, कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम, उपग्रह और ड्रोन की कमी को पाटना होगा, जो फिलहाल अमेरिका की तरफ से मुहैया कराए जाते हैं। यूके और फ्रांस जैसे नाटो सदस्य-देशों के पास 500 एटमी हथियार हैं, जबकि अकेले रूस के पास 6000 हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)